PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 192 ● भिलाई, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

कर्नाटक शराब घोटाला भाजपा-जेडीएस विधायकों ने विधानसभा में गुजारी रात

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के विधायकों ने कथित शराब घोटाले को लेकर आबकारी मंत्री आरबी थिम्मापुर के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कर्नाटक विधानसभा में रात गुजारी। बुधवार सुबह भी भाजपा-जेडीएस विधायकों का प्रदर्शन जारी रहा। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष व विधायक बीवाई विजयेंद्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक समेत कई विधायक विधानसभा परिसर में मॉर्निंग वॉक करते हुए नजर आए। बाद में सभी विधायक एक जगह इकट्ठा हुए, चाय पी और आगे की कार्रवाई पर चर्चा की। कुछ देर बाद विरोध प्रदर्शन फिर से शुरू हुआ, जिसमें भाजपा और जेडीएस के विधायक विधानसभा के प्रवेश द्वार की सीढ़ियों पर बैठ गए और एक्साइज मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए नारे लगाए। उन्होंने गाने भी गाए और भारत माता की जय के नारे लगाए। भाजपा विधायक चन्नाबसप्पा ने एक भक्ति गीत भी गाया।

जोधपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई,अवैध बजरी परिवहन करते 7 गिरफ्तार

जोधपुर। पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश पासवान के सख्त निर्देशों और एडीसीपी हेडक्वार्टर सुनील पंवार के सुपरविजन में ष्टस्ञ्ज टीम ने अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल की है। मुखबिर की सटीक सूचना पर ष्टस्ञ्ज टीम प्रभारी मेहराज तंवर के नेतृत्व में पुलिस थाना लूणी इलाके में छापेमारी कर बजरी माफियाओं के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया। पुलिस ने इस कार्रवाई के दौरान सात लोगों को दबोचा है, जो बजरी के अवैध परिवहन और डंपरों की एस्कॉर्टिंग में शामिल थे। नरेश विश्नोई (29) ङ्क निवासी गुड़ा विश्नोईयान, सरवन राम विश्नोई (20) निवासी शवों की ढाणियां, गुड़ा विश्नोईयान, पीरु खान (35) निवासी गुड़ा विश्नोईयान, निर्मल कुमार प्रजापत (29)निवासी धिंगाणा, लूणी, विकास विश्नोई (21) निवासी गुड़ा विश्नोईयान, महेंद्र विश्नोई (25) निवासी गुड़ा विश्नोईयान, रोशन अली (35)निवासी गुड़ा विश्नोईयान। वाहन और बजरी जब्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने बजरी से भरे 4 डंपर जब्त किए हैं।

राष्ट्री सुरक्षा जैसे विषय पर संसद में चर्चा रोका जाना चिंताजनक: सैलजा

चंडीगढ। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव कुमारी सैलजा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को भारत की राष्टीय सुरक्षा, विशेषकर चीन से जुड़े विषय पर तथ्यात्मक संदर्भ रखने से रोके जाने की घटना पर चिंता व्यक्त की है। मीडिया को जारी एक बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि राष्टीय सुरक्षा जैसे गंभीर विषय पर संसद में खुली, तथ्याधारित और जिम्मेदार चर्चा लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप है।

मोदी ने किया दो-दो लाख रुपये के मुआवजे का एलान

दहला मेघालय! कोयला खदान में विस्फोट से 16 लोगों की मौत....

शिलांग। एजेंसी

मेघालय के पूर्वी जयंतिया हिल्स जिले में गुरुवार को एक अवैध कोयला खदान में डायनामाइट विस्फोट में 16 लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति के घायल होने की भी खबर है। यह कोयला खदान जिले के मिसिंगेट-थांग्स्को इलाके में है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये का मुआवाजा देने की घोषणा की है। पूर्वी जयंतिया हिल्स के पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने बताया कि दूरदराज के इलाके में स्थित इस खदान से चार शव बरामद किए गए हैं और एक झुलसे हुए व्यक्ति को उपचार के लिए शिलांग भेजा गया है। अधिकारियों ने कहा कि राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल और दमकल व आपात सेवाओं की टीमें मौके पर भेजी गईं। उन्होंने कहा कि मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार, जिस पहाड़ी में अवैध खनन हो रहा था, विस्फोट के बाद उसका एक हिस्सा धंस गया, जिससे और खनिकों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। दिसंबर 2025 में भी हुआ था ऐसा ही विस्फोट यह घटना ऐसे समय में हुई है, जब जिले में अवैध कोयला खनन को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। इसी थांग्स्को इलाके में पिछले साल 23 दिसंबर को भी ऐसा ही डायनामाइट विस्फोट हुआ था। उस विस्फोट में दो खनिकों की मौत हो गई थी। तब पुलिस शुरू में विस्फोट की खबरों को बेबुनियाद बताया था। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट सामने आने के बाद मेघालय हाईकोर्ट ने राज्य में अवध कोयला खनन और उसके परिवहन की जांच के लिए गठित एक सदस्यीय समिति (सेवानिवृत्त जज बीपी काटेकी समिति) ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी थी। मेघायल के मानवाधिकार आयोग ने भी मामले का संज्ञान लिया था और राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की थी। इससे पहले 14 जनवरी को असम के होजाई जिले में भी अवैध कोयला खदान में हादसा हुआ था। उसमें जिले के जमुना मौदंगा निवासी मौसाद अली (48 वर्षीय) की मृतक के रूप में पहचान हुई थी, जो उम्थे गांव के निवासी थे। पुलिस ने उस घटना की पुष्टि की थी। वह मामला भी जस्टिस काटेकी समिति की जांच के दायरे में आया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोयला खदान में विस्फोट की घटना पर दुख जताया।

रायगढ़ मंगल कार्बन प्लांट में ब्लास्ट: टायर गलाने के दौरान हुआ विस्फोट,मासूम समेत आठ मजदूर झुलसे

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में गुरुवार सुबह मंगल कॉर्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान ब्लास्ट हो गया। इस घटना में एक मासूम सहित आठ मजदूर घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मामला खरसिया थाना क्षेत्र का है। खरसिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम बानीपाथर गांव में स्थित मंगल कार्बन प्लांट में टायर गलाने के दौरान अचानक ब्लास्ट हो गया। इस दौरान वहां काम कर रहे डेढ़ साल की मासूम भूमि खडिया, इंद्रजीत, प्रिया सारथी, साहेबराम खडिया, कौशल कुमार, शिव खडिया, उदासीन खडिया, इंद्रवद सहित कई अन्य मजदूर झुलस गए। जानकारी के अनुसार मंगल कार्बन प्लांट में काम कर रहे मजदूरों द्वारा टायर गलाने वाले ब्लाडर को खोलते वक्त प्रेशर से दो नट अपने आप खुलते ही ब्लास्ट हो गया। और फिर यह हादसा हुआ। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही, जिसके बाद घायलों को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बेहतर इलाज के सभी सभी घायलों को एक निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अनिल कुमार जगत ने बताया कि खरसिया के चोढा के पास स्थित फैक्ट्री में ब्लास्ट के बाद आग लगने की घटना में कई लोग झुलस गए।

यूपी में अब कातिल मांझे पर मर्डर केस

योगी का फैसला-चाइनीज मांझे से मौत को माना जाएगा हत्या....

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चाइनीज मांझे के कारण हो रहे जानलेवा हादसों पर कड़ा रुख अपनाते हुए इसे 'हत्या' की श्रेणी में रखने का निर्देश दिया है। लखनऊ में एक युवक की गर्दन कटने से हुई मौत के बाद मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को पूरे प्रदेश में छापेमारी कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 4 फरवरी को हुई एक हृदय विदारक घटना ने प्रशासन को हिलाकर रख दिया है। दुबग्गा की सीते विहार कॉलोनी के रहने वाले 35 वर्षीय मोहम्मद शोएब, जो एक दवा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव थे, अपनी स्कूटी से मार्केट जा रहे थे। जब वे हैदरगंज चौराहे से तालकटोरा मिल एरिया वाले फ्लाईओवर पर चढ़े, तभी अचानक चाइनीज मांझा उनके गले में फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मांझे के खिंचाव के कारण शोएब की गर्दन काफी गहरी कट गई और वे लहूलुहान होकर स्कूटी से नीचे गिर गए। उन्हें तत्काल ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शोएब अपने परिवार के इकलौते सहारा थे; उनके पीछे उनकी पत्नी, दो छोटी बेटियां और बूढ़ी मां रह गई हैं। इस हादसे ने एक बार फिर प्रतिबंधित मांझे की धड़ल्ले से हो रही बिक्री पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त नाराजगी जाहिर की है।, उन्होंने स्पष्ट किया कि चाइनीज मांझे से होने वाली मौतों को अब सामान्य दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या माना जाएगा। और ऐसे मामलों में दोषियों के खिलाफ मर्डर का केस चलाया जाएगा। हाल ही में हुई एक समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तीखे सवाल किए कि जब प्रदेश में चाइनीज मांझे के प्रयोग पर पूर्ण प्रतिबंध है।

मणिपुर में फिर बवाल शुरू

कुकी संगठनों ने नई सरकार को लेकर अपने विधायकों को दे डाली चेतावनी

नई दिल्ली/ एजेंसी

मणिपुर में करीब एक साल लंबे राष्ट्रपति शासन के बाद आखिरकार लोकतांत्रिक सरकार की वापसी हो गई है, लेकिन राज्य में शांति का रास्ता अभी भी कांटों भरा नजर आ रहा है। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता युमनाम खेमचंद सिंह ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। हालांकि, उनके पद संभालते ही कुकी बहुल इलाकों में विरोध की चिंगारी फिर से भड़क उठी है। 4 फरवरी को हुए शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह के साथ दो उप मुख्यमंत्रियों ने भी पद की शपथ ली। इनमें कुकी समुदाय की कद्दावर नेता और बीजेपी विधायक नेमचा किपगेन और नागा पीपल्स फ्रंट के एल. दिखो शामिल हैं। नेमचा किपगेन को सरकार में शामिल किए जाने से कुकी संगठन नाराज हैं। बुधवार रात कांगपोकपी जिले में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर टायर जलाए और बांस के खंभे लगाकर आवाजाही रोक दी। चुराचांदपुर जिले के आदिवासी संगठन जॉइंट फोरम ऑफ सेवन ने शुक्रवार को कुकी-जो बहुल इलाकों में सुबह 6 से शाम 6 बजे तक पूर्ण बंद का ऐलान किया है। संगठन ने फिर अपनी पुरानी मांग को दोहराते हुए कहा कि उन्हें अलग प्रशासन से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। कुकी-जो काउंसिल ने अपने विधायकों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि कोई भी विधायक सामूहिक फैसले के खिलाफ जाकर सरकार का हिस्सा बनता है। तो इसके परिणामों की जिम्मेदारी उसकी व्यक्तिगत होगी। गौरतलब है कि मणिपुर 3 मई 2023 से जातीय संघर्ष की आग में झुलस रहा है।

हिंसा का घाव और राजनीतिक स्थिरता

गौरतलब है कि मणिपुर 3 मई 2023 से जातीय संघर्ष की आग में झुलस रहा है। मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (स्ञ्ज) दर्जे की मांग के खिलाफशुरू हुई इस हिंसा ने अब तक 260 से अधिक लोगों की जान ले ली है। हजारों लोग बेघर होकर राहत शिविरों में जीवन बिता रहे हैं। इसी अस्थिरता के कारण पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को पद छोड़ना पड़ा था। अब जब नई सरकार ने कमान संभाली है तो कुकी संगठनों का यह कड़ा विरोध मुख्यमंत्री खेमचंद सिंह के लिए सबसे बड़ी परीक्षा साबित होने वाला है।

एनसीआर समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वायु गुणवत्ता गंभीर, रेड जोन में कई इलाके

नोएडा। दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, बल्कि आसपास के अन्य क्षेत्रों में भी वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर चिंताजनक स्थिति में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और मौसम विभाग के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एनसीआर के अधिकांश इलाके रेड जोन में दर्ज किए गए हैं, जिससे आम लोगों की सेहत पर गंभीर खतरा मंडराने लगा है।

गुवाहाटी में वर्ल्ड कैंसर डे के मौके पर छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली। वर्ल्ड कैंसर डे का मकसद जागरूकता बढ़ाना, जल्दी पता लगाना और कैंसर से बचाव को बढ़ावा देना है। 2026 की थीम है यूनाइटेड बाय यूनिक।

भड़क गए सीएम हिमंत बिस्वा

हिमंत बोले-मैं गांधी परिवार के चमचों से नहीं डरता,दिग्गज कांग्रेस नेताओं पर करेंगे केस....

नई दिल्ली। असम की सियासत में इन दिनों आरोपों और कानूनी जंग का पारा सातवें आसमान पर है। विधानसभा चुनाव की आहट के बीच मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग अब अदालत की दहलीज तक पहुंचने वाली है। मुख्यमंत्री सरमा ने कांग्रेस नेता भूपेश बघेल, गौरव गोगोई, जितेंद्र सिंह और देबब्रत सैकिया के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने का फैसला लिया है।विवाद की शुरुआत कांग्रेस की प्रेस कॉन्फ्रेंस से हुई। उसमें गौरव गोगोई और अन्य नेताओं ने मुख्यमंत्री पर जमीन कब्जा करने के गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस का दावा है कि मुख्यमंत्री के परिवार ने असम में करीब 12 हजार बीघा जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने मुख्यमंत्री के कथित भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए Who Is HBS नाम से वेबसाइट और अभियान भी शुरू करने की कोशिश की। वैसे, कांग्रेस ने यह भी आरोप जड़ा कि भाजपा की आईटी सेल ने लॉन्चिंग के वक्तउनकी वेबसाइट हैक कर ली। इन आरोपों पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बेहद आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से कांग्रेस नेताओं को गांधी परिवार का गुलाम बताते हुए खुली चुनौती दी। सरमा ने स्पष्ट किया कि अब आरोप लगाकर भाग जाने वाली राजनीति नहीं चलेगी। उन्होंने ऐलान किया कि वे 9 फरवरी को इन नेताओं के खिलाफ सिविल और क्रिमिनल मानहानि का केस दर्ज करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेताओं के पास रत्ती भर भी सबूत हैं।

करोड़ों की धोखाधड़ी का आरोप

अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन गिरफ्तार.....

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि सिद्दीकी को करोड़ों की जालसाजी और अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दर्ज कराई गई 2 एफआईआर के आधार पर की गई है।पुलिस के मुताबिक दिल्ली में लाल किला के पास हुए धमाके बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच के दायरे में है। धमाके के बाद से ही अल फला यूनिवर्सिटी के संचालन से जुड़ी कई अनियमितताओं और फर्जीवाड़े की जांच को शुरू किया गया था।

मोहब्बत की दुकान वाले 'मोदी तेरी कब्र खुदेगी' के नारे लगा रहे

राज्यसभा में बोले पीएम मोदी रोज दो किलो गाली खाता हूं.....

नई दिल्ली। एजेंसी

संसद के बजट सत्र के दौरान राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को जवाब दिया। विपक्ष की ओर से जोरदार नारेबाजी के बीच उन्होंने अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा, धन्यवाद प्रस्ताव पर समर्थन के लिए इस सदन में अपनी भावनाओं को व्यक्त करना मैं अपना सौभाग्य मानता हूं। देश आज तेज प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की उम्र को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा, मेरी एक प्रार्थना है। आदरणीय खरगे जी की उम्र को देखते हुए, अगर वे बैठकर भी नारे लगाना चाहें तो लगा सकते हैं। पीछे कई सारे युवा नेता हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति के अभिभाषण में देश के मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग, गरीब, गांव, किसान, महिलाएं, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, बहुत ही विस्तार से भारत के प्रगति का एक स्वर संसद में गूंजा है। देश के नौजवान भारत के सामर्थ्य को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं, इस पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। राष्ट्रपति ने भारत के उज्ज्वल भविष्य के प्रति भी भरोसा जताया है। यह हम सबके लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा, देश का हर व्यक्ति यह महसूस कर रहा है कि एक अहम पड़ाव पर हम पहुंच चुके हैं। न हमें रुकना है, न हमें पीछे मुड़कर देखना है। हम आगे ही आगे देखना है और लक्ष्य को प्राप्त करके ही हमें सांस लेनी है। उस दिशा में हम आगे बढ़ रहे हैं। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा, भारत के भाग्य के लिए अनेक संयोग एक साथ हमें नसीब हुए हैं। ये अपने आप में बहुत ही उत्तम संयोग है। सबसे बड़ी बात है कि विश्व के समृद्ध से समृद्ध देश भी बुजुर्ग होते जा रहे हैं। वहां की आबादी उम्र के उस पड़ाव पर पहुंची है, जिन्हें हम बुजुर्ग के रूप में जानते हैं। हमारा देश ऐसा है, जो विकास की नई ऊंचाइयां छू रहा है, वैसे ही देश हमारा युवा होता जा रहा है। युवा आबादी वाला देश बनता जा रहा है। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ मैं देख रहा हूं जिस प्रकार विश्व का भारत के प्रति आकर्षण बढ़ा है। विश्व भारत के प्रतिभा (टैलेंट) का अहमियत समझ रहा है। हमारे पास आज दुनिया का बहुत ही अहम टैलेंट पूल है। युवा टैलेंट पूल है, जिसके पास सपने, संकल्प और सामर्थ्य है। यानी शक्ति का आशीर्वाद हमारे साथ है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज विश्व में जो चुनौतियां पैदा हो रही हैं, भारत उनका समाधान देने, आशा की किरण देने वाला देश बना हुआ है।

CMYK

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के तहत कोर समिति की बैठक

बेमेतरा। मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान अंतर्गत जिले की कलेक्टर के निर्देशानुसार गठित कोर ग्रुप के सदस्य के रूप मे प्राचार्य सुनील कुमार झा के द्वारा दिनाँक 28 से 04 फरवरी तक संकुल केंद्र नरी,छीतापार, खाम्ही,झाल एवं बिलाई के प्राचार्य , प्रधान पाठकों एवं संकुल समन्वयकों की बैठकें लेकर विभिन्न दिशा-निर्देश दिये गये। उन्होंने आगामी 5 वी, 8 वी, 10 वी कक्षा के विद्यार्थियों के गुणवत्ता पूर्ण परीक्षा परिणाम हेतु निर्धारित बिंदुओं पर कार्य योजना बना कर शीघ्र क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हांकित कर विशेष अतिरिक्त कक्षाओं के माध्यम से उन्हें परीक्षा के लिए तैयार करने, अनुपस्थित बच्चों को कक्षा मे उपस्थित कराने प्रयास, प्रतिभावान विद्यार्थियों को विशेष मार्गदर्शन देने, पूर्व वर्षो के प्रश्न पत्रों को हल करवाना,उत्तर लेखन का अभ्यास, शिक्षकों के कार्यो की समीक्षा एवं मार्गदर्शन जैसे बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर दिशानिर्देश दिया गया। उक्त बैठकों में संकुल केंद्रों के समस्त प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के संस्था प्रमुख एवं संकुल समन्वयक उपस्थित रहे।

नगर पंचायत के सेवानिवृत्त कर्मचारी को विदाई निकाय के दिवंगत कर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि

डोंगरगांव नगर। नगर पंचायत के कार्यरत कर्मचारी वाहन चालक हरि श्रीवास सेवानिवृत्त हो गए हैं। सेवानिवृत्त होने पर नगर पंचायत द्वारा विदाई समारोह आयोजित कर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष की मौजूदगी में ट्रेक्टर चालक हरि श्रीवास को भावभीनी विदाई दी गई। इस मौके पर जीवनोपयोगी उपहार एवं स्मृति चिन्ह् भेटकर सम्मानित किया गया। नगर पंचायत सभाकक्ष में आयोजित संक्षिप्त विदाई समारोह में सर्वप्रथम नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, नगर पंचायत उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता, मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनम्र जेमा की मौजूदगी में निकाय के पूर्व में दिवंगत कर्मियों मनोज यादव एवं मंथीर मालेकर को श्रद्धांजलि दी गई। उपरांत समस्त जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों ने श्रीवास को उपहार भेंट कर सुखद जीवन के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर पार्षद गीता सलामे, पदमनी ठाकुर, कोमल साहू, सद्दाम खत्री, लेखापाल विवेक भारद्वाज, अभियंता केआर बर्मन, उमा पाल, गिरीश साहू, ताराचंद रामटेके, महेश बैस, टामन पटेल, खेलेंद्र नायक, संतोष ठाकुर, छन्नू साहू, दानेश्वर साहू व शिव पांडे सहित समस्त स्टॉफ मौजूद थे।

मंत्री से स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की मांग नपंअध्यक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा मांग पत्र

डोंगरगांव नगर। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल को नगर पंचायत डोंगरगांव की अध्यक्ष श्रीमती अंजू त्रिपाठी ने मांग पत्र सौंपा है। श्रीमती त्रिपाठी ने मांग पत्र के माध्यम से नगर पंचायत क्षेत्र में आवश्यक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। उक्त मांग पत्र पर स्वास्थ्यमंत्री ने सकारात्मक कदम उठाने की बात कही है। नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी ने मांग पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि नगर पंचायत क्षेत्र में नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी मूलभूत सुविधाओं के अभाव का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र की बढ़ती जनसंख्या एवं जरूरतों को ध्यान में रखते हुए शासकीय चिकित्सालय में सुविधाओं का विस्तार अत्यंत आवश्यक हो गया है। पुराने चिकित्सालय परिसर में ओपीडी (बाह्य रोगी विभाग) की व्यवस्था प्रारंभ करने, शासकीय चिकित्सालय में स्वर्ग रथ एवं मुक्तांजलि वाहन (शव वाहन) की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा शासकीय चिकित्सालय में दो नग कॉफिन फ्रीजर उपलब्ध कराने की मांग की गई है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि अस्पताल में आवश्यक सुविधाओं के अभाव में आम नागरिकों को इलाज एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए बाहर जाना पड़ता है, जिससे समय, धन एवं संसाधनों की अनावश्यक हानि होती है। नपंअध्यक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री से मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करते हुए शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है।

सहयोग संस्था द्वारा विरोध के बाद भी राष्ट्रीय वृक्ष बरगद को काट दिया गया

बेमेतरा। मोहभट्ठा गार्डन के सामने राष्ट्रीय वृक्ष बरगद जो मोहभट्ठा उद्यान के बाहर शान से खड़ा था जो विगत पचासो वर्ष से राहगिरो को शीतल छाव पक्षीयो का बसेरा और लोगो को चौबीसो घंटे शुद्ध आक्सीजन प्रदान करता था और लोगो की धार्मिक आस्था का केंद्र और वो बरगद किसी को भी कोई हानि नही पहुंचा रहा था आज मौका परस्त लोगो की लालच का भेठ चढ़ गया। प्रसासन और ठेकेदारो की मानमानी और मिली भगत से सैकड़ो वर्ष जीने वाला बरगद का पेड़ बिना अनुमति काटा जा रहा था जिसे सहयोग नें तत्परता दिखाते हुए बचाने का प्रयास किया 04माह संघर्ष के बाद प्रसासनिक मिलीभगत से बिना किसी विशेष और प्रशासनिक उपस्थिति में बरगद को सिफ्टिंग के नाम पर उखाड़ कर गड्डे में डाल दिया गया और आपत्ति कर्ता सहयोग को सुचना भी देना उचित नही समझा गया। एक बरगद आज से कुछ वर्ष पूर्व राजनैतिक स्वार्थ के चलते उखाड़ा गया था तो वो राजनेता ही उखड़ गए उस समय भी सहयोग नें विरोध दर्ज किया था और पुनः वही घटना दोहराई जा रही हैं। वन विहीन बेमेतरा में प्रशासन की मानमानी यह प्रसासन का बहोत ही निंदनीय कार्य हैं जो ठेकेदारो के दबाव में आ कर राष्ट्रीय सम्पदा बरगद को नष्ट कर दिया गया। सहयोग जो बेमेतरा क्षेत्र में लगातार पौधरोपण कर उनका संरक्षण करता है प्रशासन नें उनका पूछना सुनना भी उचित नही समझा और एकतरफा कार्य करते हुए बरगद को उखाड़ दिया गया सहयोग बेमेतरा इसका पुरजोर विरोध करता है।

शिक्षा के साथ संस्कार जरूरी है: विधायक दीपेश साहू

बेमेतरा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सलधा मे स्थित शहीद भगत सिंह शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विधायक दीपेश साहू द्वारा भारत माता, मां सरस्वती एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इसके पश्चात विद्यालय के नन्हे-नन्हे छात्र-छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्हें देखकर उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ बच्चों का उत्साहवर्धन किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास और मंचीय प्रस्तुति की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की। इस अवसर पर मेधावी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मान राशि एवं पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विधायक दीपेश साहू ने कहा बच्चे देश का भविष्य होते हैं। शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों का विकास भी उतना ही आवश्यक है। ऐसे वार्षिक उत्सव बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण अंचल के विद्यालयों में बच्चों की प्रतिभा देखकर यह विश्वास और मजबूत होता है कि आने वाला भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक बच्चों को सही दिशा देने वाले मार्गदर्शक होते हैं। साथ ही उन्होंने ग्रामवासियों से बच्चों की शिक्षा में हरसंभव सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में सोसायटी अध्यक्ष अध्यक्ष बिसन साहू, विधायक प्रतिनिधि किशुन साहू, संतोषी अश्विन निषाद जनपद सदस्य, मंडल अध्यक्ष सेवाराम साहू, सरपंच सियाराम सिन्हा उपसरपंच चित्रलेखा साहू कुमार साहू डॉक्टर सुभाष तिवारी अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति एवं विकास समिति लुकेश साहू सहित जनप्रतिनिधिगण, ग्राम पंचायत के पंचगण, शिक्षकगण, विद्यालय के छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बाल संरक्षण विषय पर जिला से 10 शिक्षक प्रशिक्षित

दल्लीराजहरा। राज्य बाल संरक्षण समिति ने बच्चों की देखरेख व संरक्षण को लेकर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का आयोजन 29 जनवरी से 31 जनवरी तक किया गया । बच्चों के देखरेख व संरक्षण से संबंधित नियमों के संबंध में स्कूली बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण निमोरा रायपुर में आयोजित किया गया । इसमें जिले के 10 शिक्षकों ने भाग लिया । कार्यक्रम में दुर्ग संभाग के प्रशिक्षकों के साथ पेरेंटिंग एक्सपर्ट चिरंजीवी जैन ने विशेष चर्चा की । श्री जैन ने बच्चों के मानसिक विकास, सकारात्मक पालन पोषण, भावनात्मक सहयोग और व्यवहार संबंधी समस्याओं पर विस्तार से जानकारी दी । इस अवसर पर डौंडी तुका राम साहू शा. पूर्व मा शा खल्लारी , मोना रावत शा पूर्व मा. शा. मरदेल, डौंडी लोहारा मनीष देशमुख शा. पूर्व मा. शा. बगईटोला, लता साहू शा. प्रा. शा. कोटेरा, बालोद मनीष वैदे शा. पूर्व मा. शा. बघमरा, भगवती सिन्हा शा. प्रा. शा. गंजपारा, गुरूर अजय वर्मा शा. पूर्व मा. शा. पेरपार, पूर्णिमा बघेल शा प्रा. शा. चन्दनबिरही, गुंडरदेही गोकुल राम राउत शा. पूर्व मा. शा. सिर्री, सुमन देवांगन शा. प्रा. शा.कांदुल शामिल रहे ।

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से रेंगाबोड़ कुंडा व्यपवर्तन योजना को 63.80 करोड़ की मंजूरी

कवर्धा। कवर्धा- पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए एक बड़ी सौगात के रूप में रेंगाबोड़ (कुंडा) व्यपवर्तन योजना को ?63 करोड़ 80 लाख की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधायक भावना बोहरा के सतत प्रयासों से स्वीकृत इस बहुप्रतीक्षित योजना से बनियाकुबा, रेंगाबोड़ (कुंडा), ओड़ाडबरी, लोखान, सेन्हाभाटा, दुल्लापुर, बर्घरा एवं भुवालपुर सहित आसपास के ग्रामों के हजारों किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। परियोजना के पूर्ण होने पर लगभग 1620 हेक्टेयर खरीफ क्षेत्र में सुनिश्चित सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे किसान अब केवल मानसून पर निर्भर नहीं रहेंगे और कृषि उत्पादन व आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। विधायक भावना बोहरा ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना केवल सिंचाई परियोजना नहीं, बल्कि किसान सशक्तिकरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती और क्षेत्रीय विकास की दिशा में एक निर्णायक कदम है। डबल इंजन भाजपा सरकार किसानों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पंडरिया विधानसभा में लगातार विकास कार्यों को गति दे रही है।

चूहा खा गए बोलने पर अफसर निलंबित, लेकिन धान सूखने के असली जिम्मेदारों पर मेहरबानी क्यों?

एफआईआर और वसूली से बच रहा सिस्टम

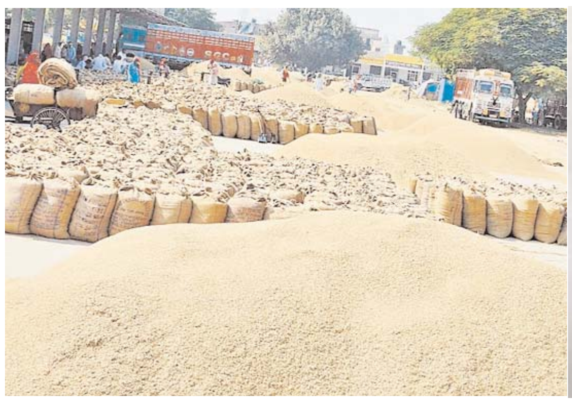

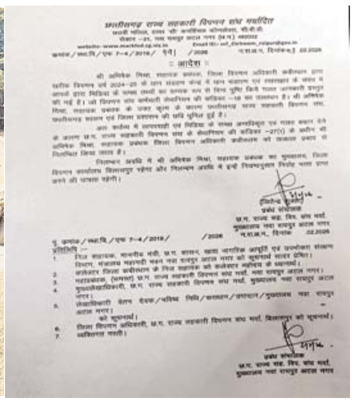

कवर्धा। धान खरीदी और भंडारण में सामने आई गंभीर अनियमितताओं के मामले में प्रशासनिक कार्रवाई अब सवालों के घेरे में है। मीडिया के सामने धान की कमी को लेकर चूहा खा गया जैसा बयान देने पर सहायक प्रबंधक अभिषेक मिश्रा को तो तत्काल निलंबित कर दिया गया, लेकिन जब धान सूखना प्रमाणित हो चुका है, तब संग्रहण केंद्र बाजार चारभाटा के वास्तविक प्रभारी पर की गई कार्रवाई आधी-अधूरी नजर आ रही है। सूत्रों के अनुसार, धान के सूखने की प्रामाणिक पुष्टि के बाद संग्रहण केंद्र प्रभारी को केवल निलंबित कर विभागीय जांच संधारित कर दी गई, जबकि यह मामला सीधे तौर पर शासन को आर्थिक नुकसान पहुंचाने की श्रेणी में आता है। नियमों के मुताबिक ऐसे मामलों में पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराना और नुकसान की वसूली की कार्रवाई अनिवार्य मानी जाती है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि बयान देने वाले अधिकारी पर तो त्वरित और कठोर कार्रवाई हो गई, लेकिन धान के सूखने जैसी गंभीर लापरवाही, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ, उस पर एफआईआर क्यों नहीं? क्या विभागीय जांच के नाम पर जिम्मेदारों को बचाने की कोशिश की जा रही है? जानकारों का कहना है कि धान का सूखना केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि भंडारण और रखरखाव में घोर लापरवाही का प्रमाण है। ऐसे मामलों में केवल निलंबन पर्याप्त नहीं, बल्कि आर्थिक क्षति की भरपाई और आपराधिक जिम्मेदारी तय होना जरूरी है।इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं- क्या कार्रवाई बयान पर होती है, नुकसान पर नहीं? और क्या असली दोषियों तक कानून का शिकंजा कभी पहुंचेगा, या फिर फाइलों में जांच दबकर रह जाएगी?

श्रीमद् भागवत कथा पुराण में माखन चोर की लीला का वर्णन किया गया

बेमेतरा। जिला मुख्यालय बेमेतरा से 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बाबा महोतरा चल रहे श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान गंगा कथा व्यास संत श्री गणेश्वर शास्त्री जी महाराज के श्री मुख से प्रवाहित हो रही है जिसमें आसपास की जनमानस भगवान की दिव्य चरित्र को सुनने के लिए पहुंच रहे हैं पूर्व सरपंच मोहन साहू के द्वारा आयोजित भागवत कथा को सुनने के लिए आसपास के ग्रामीण सहित पारिवारिक जन पहुंच रहे हैं कथा शास्त्री जी महाराज के द्वारा भगवान की दिव्य चरित्र का श्रवण कराया जा रहा है भगवान ने किस प्रकार सृष्टि का विस्तार किया किस प्रकार भगवान भक्तों की रक्षा के लिए विविध अवतार लेकर गौ माता ब्राह्मण संत वेद भक्त पृथ्वी की रक्षा के लिए बैकुंठ की सुख को त्याग कर भगवान नंगे पग चलते हैं भगवान श्री कृष्ण का दिव्य जन्मोत्सव मनाया गया भगवान ने किस प्रकार बाल लीला करके सभी ब्रज वासियों को आनंदित किया भक्तों को आनंदित किया मां को आनंदित किया माखन चोरी के माध्यम से भगवान ने अनेक भक्तों के पापों का हरण कर लिया पश्चात कथा में माखन चोरी के दिव्य झांकी को प्रस्तुत किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने किया 'वूमेन फॉर वेटलैण्ड्स' अभियान पोस्टर का अनावरण

बेमेतरा। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में 'वुमेन फॉर वेटलैण्ड्स ' अभियान के पोस्टर का अनावरण किया,इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आर्द्रभूमि एवं प्राकृतिक जल-स्रोतों के संरक्षण हेतु चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जल ही जीवन है और आर्द्रभूमियां मानव सभ्यता की अमूल्य धरोहर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मातृशक्ति को इस पवित्र अभियान से जोड़ना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायी कदम है। मुख्यमंत्री साय ने यह भी कहा नदियां, तालाब, कुएं, पोखर और आर्द्रभूमियां केवल जल-स्रोत नहीं, बल्कि जीवनदायिनी प्रकृति की पहचान हैं। इन्हें बचाना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। 'वूमेन फॉर वैटलैंड्स ' अभियान की संस्थापक एवं भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी द्वारा प्रदेशभर में आर्द्रभूमि संरक्षण हेतु निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है,इस अभियान के अंतर्गत तालाब, नहर, कुएं, नदियों एवं प्राकृतिक जल-स्रोतों के संरक्षण के लिए महिलाओं को संगठित किया जा रहा है। प्रज्ञा निर्वाणी ने मुख्यमंत्री को नवागढ़ स्थित गिधवा-परसदा-नगधा पक्षी विहार क्षेत्र को रामसर साइट घोषित करने हेतु ज्ञापन भी सौंपा, सी एम साय ने कहा महिलाएं प्रकृति की प्रथम संरक्षक हैं,यदि मातृशक्ति आगे आएगी तो जल-स्रोतों का संरक्षण जन-आंदोलन बन जाएगा पोस्टर अनावरण कार्यक्रम के दौरान प्रसन्ना अवस्थी, प्राची शर्मा, प्रणीता शर्मा,आरविका अवस्थी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जिले में चलाए जा रहे हैं स्वच्छता अभियान

दल्लीराजहरा। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी के निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण अंतर्गत जिले के स्कूलों में स्वच्छता के प्रचार-प्रसार हेतु विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान स्कूलों के छात्र-छात्राओं को स्वच्छता की जानकारी दी जा रही है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, विद्यालय एवं घर की साफ-सफाई, शौचालय के सही उपयोग कचरे के पृथक्करण, खुले में शौच न करने जैसे विषयों पर जानकारी दी जा रही है। सभी विद्याथियों को स्वच्छता बनाए रखने, गंदगी न फैलाने एवं दूसरों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने की शपथ भी दिलाई जा रही है। इस दौरान स्कूली बच्चें भी उत्साहपूर्वक शपथ लेते हुए अपने विद्यालय और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि अब तक जिले के 36 स्कूलों के लगभग 3500 छात्र-छात्राओं को स्वच्छता हेतु प्रति प्रेरित किया गया है। समन्वयकों द्वारा बताया गया कि बचपन से स्वच्छता की आदतें विकसित करने से ही स्वच्छ समाज का निर्माण संभव है बच्चे समाज की नींव है वे अपने परिवार एवं समाज को भी प्रेरित करते हैं।

किसानों के धान खरीदी की तिथि बढ़ाने पर शर्मा ने किया आभार यक्त

बेमेतरा। कल मुख्यमंत्री निवास रायपुर में भारतीय जनता पार्टी के रायपुर शहर जिला प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा बेमेतरा राजेन्द्र शर्मा ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी से सौजन्य भेंट कर महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

इस अवसर पर शर्मा ने मुख्यमंत्री द्वारा धान खरीदी की तारीख बढ़ाए जाने संबंधी निर्णय का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला प्रदेश के लाखों किसानों के लिए राहत देने वाला और पूरी तरह जनहितकारी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी लगातार किसान, गरीब और गाँव के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संवेदनशील निर्णय ले रहे हैं, जिसका सीधा लाभ प्रदेशवासियों को मिल रहा है। राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि दो दिन 5 एवं 6 फरवरी को धान खरीदी होगी जिन किसान का आवेदन समिति को मिला होगा या जिनका टोकन कटा होगा या जिसका सत्यापन हो गया होगा वो सभी किसान धान बेचने के लिए पात्र होंगे। राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश में जारी धान खरीदी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित और सुचारु बनाए रखने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं लगातार निगरानी कर रहे हैं। किसानों की चिंता करते हुए तारीख बढ़ाने का निर्णय प्रदेश सरकार की किसान-समर्पित कार्यशैली का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य विकास, सुशासन और पारदर्शिता की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा । राजेन्द्र शर्मा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुवे कहा कि उन्होंने किसानों को भड़काने का असफल प्रयास किया है किसानों को पूरी उम्मीद थी कि धान खरीदी की तारीख बढ़ेगी वो कांग्रेसियों के भड़कावे में नहीं आए । राजेन्द्र शर्मा नेकहा की जबकांग्रेस की प्रदेश में सरकार थी तो उन्होंने किसानों को दो साल का बोनस नहीं दिया और अंतर की राशि को चार किस्त में दिया जबकि भाजपा की विष्णु देव की सरकार ने तुरन्त दो साल का बोनस दिया और धान खरीदी के बाद अंतर की राशि एकमुश्त दी है और इस साल फिर देगी ।

5 एवं 6 फरवरी को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी

दल्लीराजहरा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा किसानों के हित में लिए गए निर्णय अनुसार 05 एवं 06 फरवरी को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के अंतर्गत किसानों के धान की खरीदी की जाएगी। इसके लिए छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अवर सचिव भूपेन्द्र सिंह राजपूत ने दिशा-निर्देश जारी कर संबंधित धान खरीदी केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दिशा-निर्देश जारी कर किसानों के हित में समर्थन मूल्य में धान खरीदी की समय अवधि में 02 अतिरिक्त दिवस 05 एवं 06 फरवरी तक वृद्धि किया है। जारी निर्देशों के अनुरूप ऐसे किसान जिनके द्वारा 10 जनवरी 2026 पश्चात् टोकन हेतु आवेदन किया गया है, परंतु सत्यापन नहीं हो पाया है। ऐसे किसान जिनके द्वारा 10 जनवरी 2026 पश्चात आवेदन किया गया है एवं सत्यापन उपरांत धान पाया गया है तथा ऐसे किसान जिन्होंने 28, 29 एवं 30 जनवरी को टोकन प्राप्त किया है परंतु किसी कारणवश धान विक्रय नहीं कर पाए हैं। उक्त किसानों का धान आगामी 05 एवं 06 फरवरी को संबंधित धान उपार्जन केन्द्रों में खरीदा जाएगा। कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि आगामी 05 एवं 06 फरवरी को जिले के धान खरीदी केन्द्रों में जहाँ ऐसे किसान हों उनका सुव्यवस्थित रूप से धान की खरीदी करना सुनिश्चित करें।

संक्षिप्त समाचार

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर। अवंति विहार सेक्टर 1 खम्हारडीह स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने आलमारी में रखे नकदी 50 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी उपेन्द्र शर्मा 52 वर्ष श्री कृष्णा लैण्ड मार्क गुढ़ियारी का रहने वाला है। प्रार्थी का छोटा भाई अवंति विहार सेक्टर 1 खम्हारडीह में रहता है। बताया जाता है कि प्रार्थी के छोटे भाई आदित्य शर्मा अपने परिवार के साथ बाहर गया हुआ है। तभी अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 50 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिए। चोरी गए जुमला कीमती करीब डेढ़ लाख रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

रायपुर। उपरवारा स्थित आयुष विश्वविद्यालय के पास टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। मामले में राखी थाना पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक ओमकार साहू 35 वर्ष ग्राम भैंसबोड़ का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि ओमकार साहू अपनी बाइक से कहीं जा रहा था, तभी उपरवारा स्थित आयुष विश्वविद्यालय के पास टैंकर क्रमांक सीजी 09 बी 0799 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को टक्कर मार दिया। जिससे ओमकार की मौके पर ही मौत हो गई। मामले में पुलिस ने टैंकर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रक से टकराई, एक की मौत

रायपुर। श्रद्धालुओं को लेकर बनारस जा रही एक यात्री बस देर रात सड़क हादसे का शिकार हो गई। अंबिकापुरङ्कबनारस मार्ग पर गंगापुर के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने बस को टक्कर मार दी, जिससे बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। इस दुर्घटना में लगभग 15 श्रद्धालु घायल हो गए, जबकि एक गंभीर रूप से घायल यात्री की अंबिकापुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसा लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र में हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय प्रशासन मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया गया। घायलों को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां सभी का उपचार जारी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, कुछ घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है, जबकि अन्य का उपचार निगरानी में किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बस रायगढ़ जिले के तमनार से श्रद्धालुओं को लेकर वाराणसी (बनारस) के लिए रवाना हुई थी। रास्ते में गंगापुर के पास पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने बस को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और बस सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दे दी है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं, दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार आरक्षक की मौत

रायपुर। सूरजपुर में रफ्तार ने फिर कहर बरपाया है. दर्दनाक सड़क हादसे में विश्रामपुर थाना में पदस्थ आरक्षक अभय पांडे की मौत हो गई. अज्ञात वाहन की टक्कर से सोमवार रात यह हादसा हुआ है. घटना जयनगर थाना क्षेत्र का है. जानकारी के मुताबिक, आरक्षक अभय पांडे दसवीं बटालियन सिलफिली में फिटनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होने गए थे. यहां से लौटने के दौरान नेशनल हाइवे 43 पर अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद आरक्षक गिर गए. सड़क खून से सन गई, मौके पर ही उन्होंने दम तोड़ दिया. राहगीरों की सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरक्षक के शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस हादसे के कारणों और अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है.

छत्तीसगढ़ में महंगी होगी शराब! ड्यूटी दरें बढ़ी, देने होंगे ज्यादा पैसे

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने नई आबकारी नीति में ड्यूटी दरें बढ़ा दी हैं, जिससे राजस्व ज्यादा होने का अनुमान है। अब देशी और विदेशी दोनों तरह की शराब पर टैक्स ड्यूटी बढ़ा दी है। महंगी शराब पीनों वालों के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है, अब छत्तीसगढ़ सरकार ने आबकारी नियमों में बड़ा बदलाव किया है. राज्य सरकार ने ड्यूटी दरें बढ़ा दी हैं। नई ड्यूटी दरें छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित कर दी गई हैं। अब जितनी महंगी शराब होगी, उतना ज्यादा ही टैक्स देना होगा। छत्तीसगढ़ में अब एक अप्रैल 2026 से शराब पर नई ड्यूटी दरें लागू होंगी। देशी और विदेशी दोनों शराब पर ड्यूटी टैक्स बढ़ा गया है।

खनन परियोजनाओं का हो गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध क्रियान्वयन- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

खनन परियोजनाओं का हो गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध क्रियान्वयन-मुख्यमंत्री साय....

■ मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 21वीं बैठक में हुए शामिल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 21वीं बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य है। प्रदेश में रेयर अर्थ मिनरल्स सहित कई अनेक खनिजों के प्रचुर भंडार उपलब्ध हैं। राज्य में चल रही सभी खनन परियोजनाओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप क्रियान्वयन किया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि खनिजों के अवैध परिवहन एवं उत्खनन पर विशेष टॉस्क फोर्स के माध्यम से की जा रही निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए आईटी एवं ड्रोन जैसे आधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाये। तकनीक के द्वारा अवैध गतिविधियों पर बेहतर एवं सतत निगरानी की जा सकेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने पीएमकेकेकेवाई के अंतर्गत खनिज 2.0 पोर्टल के माध्यम से व्यय एवं कार्यो के प्रगति की निगरानी के विषय में जानकारी ली। उन्होंने कार्यो के गुणवत्ता एवं परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन के लिए जिला खनिज न्यास अधिनियम के अंतर्गत राज्य स्तरीय केन्द्रीय कार्यक्रम प्रबंधन ईकाई की स्थापना के माध्यम से डीएमएफ कार्यों की बेहतर निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिये। बैठक में परिवहन नेटवर्क (रेलमार्ग) के अंतर्गत चिरमिरी-नागपुर रेल्वे लाईन हेतु कुल 328 करोड़ एवं छत्तीसगढ़ रेल्वे कॉरीडोर निर्माण हेतु, 1-ईस्ट कॉरीडोर एवं 3-ईस्ट वेस्ट कॉरीडोर के लिए राशि रूपये 60.10 करोड़ एवं क्वासी इक्विटी के रूप में 24.10 करोड़ का समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया । बैठक में खनिज विकास निगम लिमिटेड (सीएमडीसी) को एनएमडीसी-सीएमडीसी कंपनी लिमिटेड (एनसीएल) संयुक्त उपक्रम में सीएमडीसी की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के रूप में विभिन्न परियोजनाओं के विकास हेतु 112.70 करोड़ एवं सीएमडीसी को विभागीय कार्य हेतु अतिरिक्त राशि रूपये 10 करोड़ का समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया । बैठक में संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म के अंतर्गत खनिज ब्लॉकों की नीलामी, खनिज ऑनलाईन 2.0 के भुगतान, भौमिकी के अंतर्गत सर्वेक्षण, पूर्वेक्षण एवं विभिन्न परियोजनाओं के भुगतान एवं बाह्य स्त्रोतों से विभिन्न तकनीकी कार्यों के संपादन, मुख्य एवं गौण खनिजों के अवैध परिवहन निगरानी हेतु आईटी एवं ड्रोन तकनीक से नियंत्रण, जिला खनिज न्यास अधिनियम के अंतर्गत डीएमएफसे संबंधित कार्यों की निगरानी हेतु केन्द्रीय कार्यक्रम प्रबंधन ईकाई (सीपीएमयू) सहित विभागीय कार्य हेतु 138.17 करोड़ का समिति द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में छत्तीसगढ़ खनिज विकास निधि सलाहकार समिति की 20वीं बैठक में संपन्न कार्यों के क्रियान्वयन के विषय में जानकारी दी गई।

कार्यशाला में 46 पक्षी प्रजातियों की हुई पहचान

■ बालसमुंद जलाशय में आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन हेतु जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर/ संवाददाता

आर्द्रभूमियाँ अविश्वसनीय जैव विविधता का घर हैं और पृथ्वी पर सबसे समृद्ध और विविध पारिस्थितिक तंत्रों में से हैं। ये कई लुप्तप्राय, संकटग्रस्त और स्थानिक प्रजातियों को आश्रय देती हैं जो केवल कुछ निश्चित आर्द्रभूमि आवासों में ही जीवित रह सकती हैं। विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2026 के अवसर पर 2 फरवरी को बालसमुंद जलाशय, पलारी में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बलौदाबाजार द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम सह- कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर, बालसमुंद जलाशय क्षेत्र में संपन्न हुआ। बारनवापारा अभ्यारण्य में 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान इस विशेष आयोजन का उद्देश्य पृथ्वी के लिए आर्द्रभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाना है, क्योंकि ये पारिस्थितिकी तंत्र जंगलों की तुलना में तीन गुना तेजी से लुप्त हो रहे हैं। इस आयोजन में लगभग 60 प्रतिभागियों, 5 विशेषज्ञों तथा जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से 49 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आर्द्रभूमियों के पारिस्थितिक महत्व, जैव विविधता संरक्षण तथा स्थानीय स्तर पर समुदाय की सहभागिता को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पक्षी अवलोकन एवं आर्द्रभूमि अध्ययन की व्यावहारिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं द्वारा जलाशय से जल नमूने एकत्रित किए गए तथा बारनवापारा अभ्यारण्य के फॉरेस्ट गाइड्स के सहयोग से 46 पक्षी प्रजातियों की पहचान की गई।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से सफर हुआ आसान-पैकरा

■ सुदूर वनांचल के गांवों की बदली तस्वीर, स्वास्थ्य कर्मी, छात्रों और ग्रामीण को मिली परिवहन की सुविधा

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शुरू की गई मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का उद्देश्य सुदूर वनांचल, विशेषकर बस्तर और सरगुजा क्षेत्रों में, ग्रामीणों को सुलभ और सुरक्षित परिवहन प्रदान करना है। इस योजना के माध्यम से दूरस्थ गांवों को जिला मुख्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों से जोड़ा जा रहा है। दूरस्थ अंचलों में मुख्यमंत्री ग्रामीण बस की पहुंच से राह हुई आसान मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना न केवल सड़कों पर दौड़ रही है, बल्कि यह ग्रामीणों के समय, सुविधा और सपनों को सहेजने का माध्यम बन गई है। सरगुजा जिले के बादा से बरियों, चारपारा, ककना, सिधमा, अखोराखुर्द, रूखपुर, चिखलाडीह, नर्मदापारा, सरगवां और अम्बिकापुर तक बस सेवा शुरू होने से ग्रामीणों में भारी उत्साह है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरगामी सोच और संवेदनशीलता का परिणाम है कि आज सरगुजा जिले के उन दूरस्थ अंचलों में भी विकास की गूंज सुनाई दे रही है, जहां कभी परिवहन एक बड़ी चुनौती थी। सुगम हुआ सफर, समय की हुई बचत शहरी स्वास्थ्य अस्पताल में कार्यरत परमानिया पैकरा ने अपनी खुशी साझा करते हुए बताया कि इस मार्ग पर यह पहली बस सेवा है। उन्होंने कहा कि, पहले ड्यूटी पर समय से पहुंचना और फिर सुरक्षित घर वापस आना एक बड़ी चिंता होती थी। लेकिन जब से यह बस शुरू हुई है, हमें बहुत सुविधा मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने किया 'वूमेन फॉर वेटलैण्ड्स अभियान के पोस्टर का विमोचन

भूपेश बघेल के पत्र पर भाजपा प्रवक्ता ठोकने का पलटवार

सैकड़ों किसानों की आत्महत्या का जिम्मेदार रहे भूपेश बघेल...

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नलिनीश ठोकने ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धान खरीदी के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा लिखे गए पत्र पर पलटवार करते हुए कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने 140 लाख मीटरिक टन धान खरीदा है और उसका पूरा भुगतान भी समय पर किसानों के खातों में जमा भी करने का काम किया है और इसी महीने अंतर की राशि का भुगतान भी किसानों को किया जाएगा। श्री ठोकने ने कहा कि धान खरीदी के नाम पर अपने शासनकाल में किसानों के साथ की गई साजिशों, छल-कपट और धोखाधड़ी के काले पन्नों पर बघेल को नजरें दौड़ाकर अपनी याददाश्त को दुरुस्त कर लेना चाहिए। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठोकने ने कहा कि बघेल को चिठिठयाँ लिखने की लत-सी है। सरकार में रहते हुए काम करने के बजाय पूरे पाँच साल केवल चिटिठयाँ लिखते रहे और आज विपक्ष में रहकर भी बघेल वही काम कर रहे हैं। यह इस बात की तस्दीक करने के लिए पर्याप्त है कि कांग्रेस के नेता मुद्दों की कंगाली से किस तरह जूझ रहे हैं? श्री ठोकने ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बघेल का पत्र ओछी राजनीति से प्रेरित है। धान खरीदी को लेकर पत्र लिखने से पहले बघेल को अपने शासनकाल की धान खरीदी के लिए प्रदेश के किसानों से बिना शर्त माफी मांगनी चाहिए।

नगर निगम रायपुर के प्लेसमेंट कर्मचारियों के वेतन भुगतान में विलम्ब कंपनी की एफडीआर राजसात जब्त

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देशानुसार नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा नगर निगम सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी कर रायपुर नगर पालिक निगम में प्लेसमेंट के माध्यम से कार्यरत 57 कंप्यूटर ऑपरेटर और 2 स्टेनोग्राफर को समयावधि में वेतन भुगतान ना कर अनावश्यक पत्र व्यवहार कर नगर पालिक निगम रायपुर का समय बर्बाद करने पर और समयावधि में प्लेसमेंट कर्मचारियों का वेतन भुगतान नहीं किये जाने के कारण विगत दिनांक 25 नवंबर 2025 के आदेश अनुसार अनुबंधित एजेंसी मेसर्स अनशर्यान सर्विसेस प्राइवेट लिमिटेड अमनपुर जबलपुर (मध्यप्रदेश) द्वारा जमा की गयी सुरक्षा निधि एफडीआर की राशि को राजसात करते हुए ठेका निरस्त कर दिया गया है. कार्यादेश जारी होने उपरांत अनुबंधित एजेंसी द्वारा सभी कर्मचारियो का माह दिसंबर 2025 का वेतन भुगतान किया जाना था जो कि आज दिनांक तक लंबित है।

छत्तीसगढ़ किसान मोर्चा की परिचयात्मक बैठक संपन्न.....

■ किसान मोर्चा भाजपा का आधार स्तंभ : अजय जम्वाल

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा किसान मोर्चा की परिचयात्मक बैठक मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में आहूत की गई। बैठक में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, नवीन मार्कंडेय, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर उपस्थित रहे। किसान मोर्चा की परिचयात्मक बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री जम्वाल ने कहा कि किसान मोर्चा के पदाधिकारियों को दायित्व मिलने के बाद यह पहली बैठक है, इसके लिए उन्होंने सभी पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी और कहा कि भारत की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर आधारित है तथा छत्तीसगढ़ में 85 प्रतिशत लोग सीधे या परोक्ष रूप से कृषि से जुड़े हैं। किसान मोर्चा भारतीय जनता पार्टी का आधार स्तंभ है। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश में भाजपा की मजबूती को और बेहतर करेगा। श्री जम्वाल ने कहा कि कोई भी पद छोटा या बड़ा नहीं होता। हम सभी को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कार्य करने का अवसर मिला है। हमें अपने दायित्व की सीमाओं, कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों को समझकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना होगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

गणेश कुमार साहू को बिजली बिल से मिली राहत

■ प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना घरेलू विद्युत आवश्यकता सौर ऊर्जा से हो रही पूरी

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घरों में छत पर सोलर रूफ्टॉप सिस्टम लगाकर आमजनों को ऊर्जा के लिए आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना के माध्यम से जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है। नगर पालिका मुंगेली अंतर्गत अम्बेडकर वार्ड निवासी श्री गणेश कुमार साहू ने अपने आवास पर 03 किलोवाट क्षमता का रूफ्टॉप सोलर सिस्टम स्थापित कराया है। सोलर संयंत्र के चालू होते ही उनके घर की अधिकांश घरेलू विद्युत आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी हो रही है। श्री गणेश साहू ने बताया कि सोलर पैनल स्थापना से पहले प्रत्येक माह बढ़ता बिजली बिल उनके घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा था। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत सरल प्रक्रिया और सब्सिडी सुविधा ने उन्हें सोलर सिस्टम अपनाने के लिए प्रेरित किया। 03 किलोवाट सोलर सिस्टम स्थापित होने के बाद न केवल उनके घर

के बिजली बिल में कमी आई है, बल्कि वे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में भी अपना योगदान दे रहे हैं। श्री साहू ने इस योजना को आम आदमी के लिए राहत और भविष्य के लिए निवेश बताते हुए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने अन्य नागरिकों से भी अपील की कि वे सौर ऊर्जा को अपनाकर न केवल आर्थिक लाभ प्राप्त करें, बल्कि ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा की दिशा में सहभागी बनें। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफ्टॉप सोलर सिस्टम स्थापना पर केन्द्र और राज्य शासन द्वारा 30 हजार रूपए से 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है। 01 किलोवाट क्षमता पर 45 हजार रुपये, 02 किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा 03 किलोवाट क्षमता के सोलर सिस्टम पर 01 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। यह प्रावधान सोलर ऊर्जा को आम नागरिकों के लिए सुलभ और किफायती बना रहा है। आमजनों को योजना के लिए प्रोत्साहित करने शासन के निर्देशानुसार बैंकों द्वारा कम ब्याज दर पर आसान किश्तों में ऋण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इससे आमजनों को योजना का लाभ लेना आसान हो गया है।

दुनिया में गहरा रहा जल संकट, आई डरावनी चेतावनी

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुनः सामान्य हो जाएंगे।मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं।

आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को। ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने देश के नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील की है। ट्रंप प्रशासन द्वारा कनाडाई उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी को देखते हुए ये अपील की गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि वह चीन के साथ व्यापार समझौता करता है तो वह कनाडा पर सौ फीसदी टैरिफ लगाएंगे। ट्रंप की इस चेतावनी के बाद एक वीडियो संदेश में कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने देशवासियों से स्वदेशी उत्पाद अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पर बाहरी दबाव है।

कनाडा के प्रधानमंत्री की स्वदेशी अपनाने की अपील का संदेश

(अशोक मधुप)

जो हमारे नियंत्रण में है उसपर फोकस करें। हम ही कनाडा के सबसे अच्छे ग्राहक हैं और हमें कनाडा में बने उत्पाद खरीदने चाहिए ताकि देश को मजबूत बनाया जा सके। अमेरिका और कनाडा दोनों देशों के बीच ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद तल्खी तब और बढ़ गई जब ट्रंप ने कई बार कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही, हालांकि पिछले साल कार्नी ने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने साफ शब्दों में कहा था कि कनाडा बिकाऊ नहीं है।

आज जो हालात कनाडा के साथ हैं, वही दुनिया के कई अन्य देशों के साथ हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कभी भारत तो धमकी देते हैं तो कभी चीन को। ग्रीनलैंड का समर्थन करने वाले देशों को भी इस तरह की उनकी हाल में धमकी आई है। इस तरह की धमकी एक व्यापक वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है। बड़ी शक्तियों छोटी शक्ति और देशों को दबाकर रखना चाहती हैं। वे छोटे और सम्प्रभू देशों को अपना गुलाम बनाकर रखना पसंद करती है। अपने पर निर्भर बनाए रखना चाहती है। इस तरह के आसन्न खतरे को भारत ने पहले ही भांप लिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काफी समय से स्वदेशी अपनाने पर वैसे ही नही जोर दे रहे। भारत में स्वदेशी का विचार कोई नया नहीं है। यह हमारी राष्टीय चेतना का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस विचार को आत्मनिर्भर भारत अभियान के माध्यम से नया आयाम दिया है। वोकल फॉर लोकल का नारा देते हुए उन्होंने देशवासियों से भारतीय उत्पादों को अपनाने और उन्हें वैश्विक बनाने का आह्वान किया है। यह दृष्टिकोण केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्टीय गौरव और आत्मसम्मान से भी जुड़ा हुआ है। जब हम अपने देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता देते हैं, तो हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा करते हैं। दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम होगी। उनका हम पर दबाव कम होगा।

स्वदेशी की अवधारणा को समझने के लिए हमें महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन को याद करना होगा। गांधीजी ने स्वदेशी को केवल आर्थिक रणनीति के रूप में नहीं देखा था, बल्कि इसे स्वराज और आत्मनिर्भरता के व्यापक दर्शन का हिस्सा माना था। उनका मानना था कि जब तक हम आर्थिक रूप से परतंत्र रहेंगे, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। इसलिए उन्होंने विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और चरखे से बने खादी को अपनाने पर जोर दिया। गांधीजी के लिए चरखा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं था, बल्कि यह आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक था।

दरअसल अंग्रेजों के शासन से पहले जरूरत का सारा सामान हमारे यहां गांव-गांव और आसपास में पैदा होता हैं। जरूरत का काफी सामान हम अपने घर तैयार कर लेते थे। अंग्रेजों ने इस व्यवस्था को बड़े-बड़े उद्योग लगाकर खत्म कर दिया।

महात्मा गांधी ने स्वदेशी का महत्व समझा। उनका स्वदेशी आंदोलन भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महत्वपूर्ण हथियार बना। उन्होंने लोगों को समझाया कि जब हम विदेशी वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो हम न केवल अपने देश की संपत्ति को बाहर भेज रहे हैं, बल्कि अपने कारीगरों और श्रमिकों को भी बेरोजगार कर रहे हैं। उनका मानना था कि प्रत्येक भारतीय को अपने गांव और अपने देश में बनी वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार इतना प्रभावशाली था कि लाखों भारतीयों ने विदेशी कपड़ों की होली जलाई और खादी को अपनाया। यह आंदोलन केवल आर्थिक नहीं था, बल्कि इसने राष्टीय चेतना को जगाने और लोगों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आज की वैश्वीकृत दुनिया में स्वदेशी की अवधारणा नए अर्थ और महत्व प्राप्त कर रही है। कनाडा पर ट्रंप की टैरिफ धमकी यह दर्शाती है कि अंतरराष्टीय व्यापार कितना अनिश्चित और राजनीतिक रूप से प्रभावित हो सकता है। जब कोई देश किसी दूसरे देश पर आर्थिक दबाव बनाना चाहता है, तो व्यापार शुल्क एक प्रमुख हथियार बन जाता है। ऐसी स्थिति में जो देश अपनी घरेलू उत्पादन क्षमता को मजबूत रखते हैं, वे बेहतर तरीके से इन चुनौतियों का सामना कर सकते हैं। यही कारण है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने अपने नागरिकों से देश में बने उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया है।

भारत की आत्मनिर्भर भारत पहल इसी दिशा में एक व्यापक और दूरदर्शी कदम है। इस अभियान का उद्देश्य केवल आयात को कम करना नहीं है, बल्कि भारत को विनिर्माण, नवाचार और तकनीकी विकास का एक वैश्विक केंद्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने बार-बार कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ आत्मकेंद्रित होना नहीं है, बल्कि यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक विश्वसनीय और मजबूत भागीदार बनना है। जब भारतीय उत्पाद गुणवत्ता और नवाचार में उत्कृष्ट होंगे, तो वे न केवल घरेलू बाजार में सफल होंगे बल्कि अंतरराष्टीय बाजार में भी अपनी जगह बनाएंगे।

स्वदेशी को अपनाने का अर्थ यह नहीं है कि हम अंतरराष्टीय व्यापार या वैश्वीकरण के खिलाफ हैं। बल्कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण है जो घरेलू उद्योगों को मजबूत करते हुए वैश्विक बाजार में भागीदारी को भी बढ़ावा देता है। जब हमारे उद्योग मजबूत होंगे, तो हम बेहतर शर्तों पर अंतरराष्टीय व्यापार में भाग ले सकेंगे। यही कारण है कि भारत मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से घरेलू उत्पादन और नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

स्वदेशी उत्पादों को अपनाने से रोजगार सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान होता है। जब हम स्थानीय उत्पाद खरीदते हैं, तो हम अपने देश के कारीगरों, किसानों, छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों की आजीविका का समर्थन करते हैं। भारत जैसे देश में जहां बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती है, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर सकता है। छोटे और मध्यम उद्योग जो भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, तभी फल-फूल सकते हैं जब उन्हें पर्याप्त घरेलू बाजार मिले।

पर्यावरण की दृष्टि से भी स्वदेशी उत्पादों का महत्व बढ़ जाता है। जब हम स्थानीय स्तर पर उत्पादित वस्तुओं का उपयोग करते हैं, तो परिवहन से होने वाला कार्बन उत्सर्जन कम होता है। साथ ही, स्थानीय उत्पादन अक्सर पारंपरिक और टिकाऊ तरीकों का उपयोग करता है जो पर्यावरण के अनुकूल होते हैं। गांधीजी ने भी कहा था कि पृथ्वी के पास हर व्यक्ति की जरूरत को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। स्वदेशी की अवधारणा इसी सिद्धांत पर आधारित है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में जहां व्यापार युद्ध और आर्थिक राष्टवाद बढ़ रहा है, स्वदेशी की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है। कोविड-19 महामारी ने भी हमें सिखाया कि अत्यधिक आयात निर्भरता कितनी खतरनाक हो सकती है। जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं टूट गईं, तो कई देशों को आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ा। भारत ने इस संकट से सीख लेते हुए दवाओं, चिकित्सा उपकरणों, और अन्य आवश्यक वस्तुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा दिया है।कभी हम न मास्क बनाते थे। न सेनेंटाइजर, न अन्य उपकरण। करोनाकाल में हमने कोशिश की और आत्म निर्भेर ही नही हुए। देश की बनी करोना वैक्सीन कई देशो को दी।

स्वदेशी को सफल बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। जब हम खरीदारी करते हैं तो हमें यह देखना चाहिए कि वह उत्पाद कहां बना है और किसके द्वारा बनाया गया है। छोटे निर्णय जैसे स्थानीय बाजार से खरीदारी करना, हस्तशिल्प को बढ़ावा देना, और भारतीय ब्रांड्स को चुनना, सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। यह केवल आर्थिक निर्णय नहीं है, बल्कि यह हमारी राष्टीय प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी का प्रश्न है।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं) (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एक भारत, एक कानून की नीतिगत कसौटी के सियासी निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है।

विभिन्न तरह के पारस्परिक विरोधाभासों से जूझ रहे भारतीय गणतंत्र के लिए एक भारत, एक कानून की अवधारणा बदलते वक्त की मांग है। इसलिए इसको सरजमीं पर उतरना बेहद जरूरी है। सवाल है कि जब एक मतदाता, एक वोट का विधान सफल हो सकता है तो फिर एक भारत, एक कानून का विधान क्यों नहीं? इस बात में कोई दो राय नहीं कि ऐसी सकारात्मक कोशिशें अंततोगत्वा समतामूलक समाज की दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं।

लिहाजा यदि भारतीय संविधान के संघीय ढांचे और अन्यान्य विविधताओं को बनाए रखने वाले नानाविध प्रावधानों से एक देश, एक कानून की पावन और समदर्शी सोच टकराती है तो ऐसे किसी भी टकराव को नजरअंदाज कीजिए और एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) या एकसमान कानूनी व्यवस्था की दिशा में एक यथार्थपरक व्यवहारिक कदम उठाइए। इससे दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, सवर्ण जैसे निरर्थक भेद भी मिटेंगे और राष्ट को अप्रत्याशित मजबूती मिलेगी।

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है। योगी हैं तो यकीन भी किया जा सकता है। शाह हैं तो चिल्लपों भी नहीं मचेगा, ऐसा जनविश्वास है। जहां तक संघीय ढांचे की चुनौतियों की बात है तो भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में विधायी शक्तियों का त्रिपक्षीय विभाजन (केंद्र, राज्य, समवर्ती) एक देश, एक कानून की राह का एक बड़ा रोड़ा समझा जाता है। उदाहरणतया पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि जैसे विषय राज्य सूची में हैं, जिनमें केंद्र का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं होगा बिना संशोधन के। क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 246 इस विभाजन को मजबूत बनाता है, जो एकसमान कानून लागू करने में राज्यों की सहमति या संविधान संशोधन की मांग करता है। वहीं, मौलिक अधिकारों का टकराव भी संभाव्य है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं, जो व्यक्तिगत कानूनों (पर्सनल लॉ) को संरक्षण प्रदान करते हैं। वहीं, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक तत्व के रूप में रखा गया है, लेकिन यह बाध्यकारी नहीं है और मौलिक अधिकारों से टकरा सकता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लागू करने पर जोर दिया है (जैसे शाह बानो मामले में), लेकिन संघीय विविधता और अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस राह की सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। वहीं, व्यावहारिक और न्यायिक अड़चनों की बात भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि एकीकृत न्यायपालिका (अनुच्छेद 214) होने के बावजूद, राज्यों में उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता और लंबित मामलों (5 करोड़ से अधिक) की भारी संख्या एकसमान कानून के कार्यान्वयन को जटिल बनाती है। इसके अलावा, संविधान के अनुच्छेद 368 के तहत संशोधन की प्रक्रिया में राज्यों की सहमति जरूरी हो सकती है, जो राजनीतिक मतभेदों से अवरुद्ध रहती है। शासन करो की नीति का जड़मूल से खात्मा हो जाएगा। यद्यपि मुट्ठी भर चतुर सुजान विदेशी टुकड़े पर विरोध अवश्य करेंगे लेकिन जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर में धारा 370 हटवाकर एक विधान, एक निशान की राष्टीय नीति लागू करवा सकते हैं तो उनके लिए एक देश, एक कानून को मूर्त रूप देना-दिलवाना कोई बड़ी बात नहीं है, बशर्ते कि इस मुद्दे पर भाजपा और आरएसएस की नीति साफ और नीयत स्पष्ट हो।वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से 'मार्क टुली' कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी।

(ललित गर्ग)

बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-'दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली', दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए, तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया, जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस, पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन, गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में, जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है, मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों, चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट, मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव, कस्बे, आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता, बाज़ार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के, पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज़ ऊँची नहीं, सच्ची होती है। मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था, जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं, बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता, बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है, जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था। एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया, वह भी उस समय, जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे। उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। 'नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया' जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं, जहां कोई अंतिम विराम नहीं, केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की, लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी, उपेक्षा या उपहास से नहीं। ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है, लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है, जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है, उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है। आज के दौर में, जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में, नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है, तब मार्क टुली की कमी और अधिक महसूस होती है। उनका जाना उस युग का अंत है, जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे। वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा, विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे, जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं, बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी। मार्क टुली का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमाएं नागरिकता तय कर सकती हैं, संवेदनाएं नहीं। उनकी आवाज भले ही अब रेडियो पर न गूंजे, लेकिन भारत की आत्मा में उनकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव

बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना प्रदेश, उपभोक्ताओं का हुआ सम्मान

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25वें वर्ष रजत जयंती के अवसर पर विद्युत विभाग द्वारा स्थानीय सामुदायिक भवन में 'छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग की उपलब्धियों को साझा करने के साथ ही उत्कृष्ट उपभोक्ताओं को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सुनाराम तेता ने अपने संबोधन में कहा कि इन 25 वर्षों में छत्तीसगढ़ ने बिजली के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। आज प्रदेश न केवल बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर है, बल्कि दूसरे राज्यों को भी बिजली आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने रेखांकित किया कि अन्य राज्यों की तुलना में यहाँ बिजली की दरें कम हैं, जिसका सीधा लाभ कृषि, लघु उद्योगों और व्यवसाय जगत को मिल रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी – विद्युत विभाग के कार्यपालन अभियंता (EE) एस.के. ठाकुर ने विभाग की प्रमुख उपलब्धियों और वर्तमान में संचालित योजनाओं पर प्रकाश डाला। बीपीएल कनेक्शन पात्र उपभोक्ताओं को 120 वॉट तक मुफ्त कनेक्शन और प्रतिमाह 30 यूनिट तक की छूट। कृषक जीवन ज्योति योजना 3 हॉर्स पावर तक के पंपों पर 6,000 यूनिट और 5 हॉर्स पावर तक के पंपों पर 7,500 यूनिट सालाना निशुल्क बिजली। नवीकरणीय ऊर्जा पीएम सूर्य घर योजना और पीएम कुसुम योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की जानकारी दी गई।

ईमानदार उपभोक्ताओं का सम्मान – समय पर बिजली बिल का भुगतान करने वाले और शासन की योजनाओं का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में शामिल थे। बीपीएल श्रेणी 03 उपभोक्ता घरेलू कनेक्शन 19 उपभोक्ता कृषि पंप 09 कृषक व्यावसायिक श्रेणी 09 व्यवसाई पीएम सूर्य घर योजना के हितग्राही भी सम्मानित हुए।

कार्यक्रम की गरिमामयी उपस्थिति – कार्यक्रम का सफल संचालन रूपेश सोनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन सहायक अभियंता उत्तम यदु द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य गिरजा साहू, नगर पंचायत उपाध्यक्ष गजानंद डड़सेना, कनिष्ठ अभियंता (JE) सी.एस. उसेंडी, एंटोनी कुंजुर, तामेश्वरी मरसकोले, रजनी बारले, जितेंद्र बेंजामिन और सौरभ नशीने सहित विभागीय कर्मचारी व नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

हत्या के आरोपी को मर्दापाल पुलिस के द्वारा किया गया चंद घंटे में गिरफ्तार

कोण्डागांव। प्रार्थी समलू कोर्राम को पिता स्व. बजनाथ कोर्राम जाति मुरिया उम्र 45 वर्ष साकिन होलमांदरी मंदिर पारा थाना मर्दापाल ने जबानी रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसका डेड़शाला फोहडू राम बघेल पिता स्व. धरमू बघेल जाति मुरिया उम्र 50 वर्ष साकिन ढोलमांदरी मंदिरपारा को पुरानी रंजिश की बात को लेकर आरोपी उसारू कोर्राम पिता स्व. सोमारू कोर्राम जाति मुरिया उम्र 40 वर्ष साकिन मेंढ़पाल थाना मर्दापाल के द्वारा बांस डण्डा एवं टंगिया कुल्हाड़ी से गला काटकर हत्या कर दिया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर 3 फरवरी को थाना मर्दापाल में मर्ग क्रमांक 04/2026 धारा 194 बीएनएसएस अपराध क्रमांक 04/2026 धारा 103 (1) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोण्डागांव पंकज चंद्रा के द्वारा तत्काल आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु, निर्देश प्राप्त हुआ। जिस पर्यवेक्षण मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल, अनु विभागीय अधिकारी पुलिस सतीश भार्गव के मार्गदर्शन पर आरोपी का पता तलाश हेतु, दो टीम गठित कर आरोपी को ग्राम गोलावण्ड ग्रेड़ जंगल के पास से 3 फरवरी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी बताया, कि पूर्व में लड़ाई झगड़ा मारपीट हुये, थे। उसी पुरानी रंजीश के कारण हत्या किया है, बताया आरोपी को न्यायिक रिमाण्ड पर 4 फरवरी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय कोण्डागांव में पेश किया गया। सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना मर्दापाल से निरीक्षक राजकुमार सोरी, सउनि नरेश कुमार साहू, प्र.आर. 12 मूलचंद बघेल, प्र.आर. 229 संत राम नायक, प्र.आर. 299 हिरदू राम बघेल, आरक्षक 964 समीर नेताम, आरक्षक 373 विरेंश सिह, आरक्षक 730 तोषण कश्यप, आरक्षक 988 भुवनेश्वर मरकाम, आरक्षक 830 मेघनाथ यादव का गिरफ्तारी में सराहनीय योगदान रहा है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा रजत जयंती उत्सव का भव्य आयोजन

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड कोंडागांव द्वारा से मंगलवार को स्वामी आत्मानंद विद्यालय जामकोट पारा में छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रजत जयंती उत्सव कार्यक्रम का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधीक्षण अभियंता एच. के. सूर्यवंशी, विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यपालन अभियंता के. के. साव सर तथा विद्यालय की प्राचार्य रूबी भट्टाचार्य जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर विद्युत विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य बनने से लेकर अब तक के 25 वर्षों की विकास यात्रा, विद्युत क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक सुधार, विभागीय नवाचारों एवं पीएम सूर्य घर योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी विद्यार्थियों एवं उपस्थित जनसमुदाय को दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में ऊर्जा संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा एवं राष्ट्र निर्माण में विद्युत की भूमिका के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा।

प्रतियोगिताओं से निखरी विद्यार्थियों की प्रतिभा : कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर निबंध लेखन, चित्रकला, भाषण एवं नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी रचनात्मक एवं बौद्धिक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। नारा लेखन प्रतियोगिता में यथार्थ नेताम ने प्रथम, तनुजा वैध ने द्वितीय, कृतिका गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में दिव्या वैध ने प्रथम, मुस्कान देवांगन ने द्वितीय, सुनीता देवांगन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। चित्रकला प्रतियोगिता में इशांत देवांगन ने प्रथम, सुनिधि देवांगन ने द्वितीय और शिवांगी देवांगन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में डॉली जैन ने प्रथम, तनुजा वैध ने द्वितीय और मुस्कान साहू तृतीय स्थान पर रहे।कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों सीमा नंदेश्वर, सुधांशु अग्निहोत्री, उमेश साहू, अल्का परगनिहा, रूपा भगत एवं करुणा नेताम का विशेष सहयोग रहा। वहीं विद्युत विभाग की ओर से कार्यपालन अभियंता पी. वी. राजेश, सहायक अभियंता गोपेश बांधे।

एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल : समाज विशेष के मतदाताओं को टारगेट करने का आरोप, कांग्रेस ने दी आंदोलन की चेतावनी

केशकाल। केशकाल नगर पंचायत में स्ढ्क्र प्रक्रिया के तहत समाज विशेष के पात्र मतदाताओं के नाम षड्यंत्रपूर्वक अनुपस्थित दिखाए जाने को लेकर कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। इस मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को केशकाल एसडीएम को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। पीसीसी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अमीन मेमन ने आरोप लगाया है कि भाजपा जानबूझकर समाज विशेष के मतदाताओं को निशाना बनाकर उनके नाम मतदाता सूची से कटवा रही है। जिससे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है। उन्होंने कहा कि यदि जल्द ही इस मामले में निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ समाज के लोग उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

एसडीएम ने निष्पक्ष जांच का दिया आश्वासन

एसडीएम ने एसआईआर प्रक्रिया से जुड़ी आपत्तियों को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा फॉर्म-7 के तहत दर्ज कराई गई आपत्तियों को नियमानुसार लिया गया है। भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइंस के अनुसार किसी भी आपत्ति पर कार्रवाई से पहले आपत्तिकर्ता को बुलाकर जांच की जाएगी। आपत्तिकर्ता का उसी मतदान केंद्र का मतदाता होना अनिवार्य है। इसके साथ ही बाहर के व्यक्ति द्वारा आपत्ति किए जाने की स्थिति में संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करना जरूरी होगा। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिन मतदाताओं के नामों पर दावा या आपत्ति दर्ज की गई है, उन्हें भी बुलाकर उनका पक्ष सुना जाएगा। प्रशासन पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से पूरा करेगा।

भाजपा लोकतांत्रिक अधिकारों से कर रही खिलवाड़ : अमीन मेमन

अमीन मेमन ने कहा कि केशकाल में लगभग 276 पात्र मतदाताओं के नामों पर आपत्ति दर्ज की गई है, जिनमें अधिकांश आपत्तिकर्ता कथित तौर पर भारतीय जनता पार्टी से जुड़े बताए जा रहे हैं। नगर पंचायत केशकाल में बाहर के क्षेत्रों, विशेषकर विश्रामपुरी ग्रामीण क्षेत्र के लोगों द्वारा आपत्तियां लगाई गई हैं। अमीन मेमन ने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा बताते हुए कहा कि ऐसे लोग, जो संबंधित मतदाताओं को जानते तक नहीं, उनके नामों पर आपत्ति दर्ज करा रहे हैं। कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपकर मांग की कि फर्जी और असत्य आपत्तियां दर्ज कराने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। जो व्यक्ति वास्तव में क्षेत्र का निवासी नहीं है, उसका नाम हटाने पर कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन किसी समाज विशेष को निशाना बनाकर नाम काटने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि जांच में आपत्तियां गलत पाई गईं तो दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

विकसित भारत के संकल्प को गति देगा जनकल्याणकारी बजट : सत्यजीत सिंह चौहान

किरंदुल। विकसित भारत के संकल्प को नई गति देने वाला बजट बताते हुए भाजपा जिला महामंत्री सत्यजीत सिंह चौहान ने केंद्रीय बजट 2026-27 को जनकल्याण, रोजगार और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित ऐतिहासिक बजट कहा है। भाजपा के सक्रिय एवं अनुभवी राजनेता जमीनी मुद्दों पर सक्रिय रहने वाले दंतेवाडा जिला के जिला महामंत्री चौहान ने कहा कि यह बजट केवल आर्थिक प्रावधानों तक सीमित नहीं, बल्कि युवाओं, महिलाओं, किसानों और मध्यम वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की स्पष्ट योजना है। उन्होंने रक्षा बजट में वृद्धि को राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वदेशी उद्योग की मजबूती से जोड़ा, जबकि रेल, ग्रीन ट्रांसपोर्ट और नए राष्ट्रीय जलमार्गों को रोजगार और बेहतर कनेक्टिविटी का माध्यम बताया। स्वास्थ्य क्षेत्र में आयुर्वेदिक संस्थानों, मेडिकल हब और गंभीर बीमारियों की दवाओं पर राहत को आम जनता के लिए बड़ी सौगात बताया गया। बालिकाओं के लिए छात्रावास, महिला स्व सहायता समूहों को बढ़ावा तथा कृषि, मत्स्य पालन और पशुपालन पर विशेष जोर को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी बताया। उन्होंने कहा कि एआई, स्टार्टअप, एमएसएमई और तकनीकी शिक्षा पर फोकस युवाओं को भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करेगा। चौहान ने विश्वास जताया कि ग्रामीण कनेक्टिविटी, स्किल विकास, ई-मोबिलिटी, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी घोषणाएं बस्तर सहित छत्तीसगढ़ के विकास को तेज रफ्तार देंगी और यह बजट विकसित भारत की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

कलेक्टर जनदर्शन में संवेदनशीलता की मिसाल

नारायणपुर। कलेक्टर जनदर्शन एक बार फिर संवेदनशील एवं जनहितैषी प्रशासन का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। ग्राम करमरी निवासी दिव्यांग गुड्डू कोर्राम पिता सेबीराम कोर्राम को कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से तत्काल राहत एवं नई उम्मीद मिली। कलेक्टर नम्रता जैन ने जनदर्शन में प्रस्तुत आवेदन पर गंभीरता और संवेदनशीलता दिखाते हुए समाज कल्याण विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके फलस्वरूप मौके पर ही गुड्डू कोर्राम को बैटरी चलित ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। ग्राम करमरी निवासी गुड्डू कोर्राम एक दुर्घटना में पेड़ से गिरने के कारण शारीरिक रूप से दिव्यांग हो गए थे। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले गुड्डू पूर्व में कृषि कार्य करते थे। शारीरिक असमर्थता के बावजूद उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति बनाए रखी, लेकिन आवागमन में कठिनाई के कारण उन्हें परिजनों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा था।बैटरी चलित ट्राईसाइकिल मिलने से अब गुड्डू कोर्राम को आवागमन में सुविधा मिलेगी और वे अधिक आत्मनिर्भर बन सकेंगे। ट्राईसाइकिल पाकर उनके चेहरे पर खुशी और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। इस अवसर पर कलेक्टर नम्रता जैन ने गुड्डू कोर्राम को आश्वस्त किया कि आवश्यकता पड़ने पर उनके समुचित उपचार की व्यवस्था भी प्रशासन द्वारा की जाएगी। त्वरित सहायता से अभिभूत गुड्डू कोर्राम ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

नाम परिवर्तन के लिए अब कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

कोण्डागांव। राज्य शासन द्वारा नाम परिवर्तन हेतु आम नागरिकों की सुविधा के लिए छत्तीसगढ़ नागरिक नाम परिवर्तन प्रक्रिया एवं मार्गदर्शिका जारी की गई है, जिसके अनुसार नाम परिवर्तन हेतु अब ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं। छत्तीसगढ़ नागरिक नाम परिवर्तन प्रक्रिया एवं मार्गदर्शिका के अनुसार नाम परिवर्तन हेतु आवेदकों को लोक सेवा केन्द्र के माध्यम से ऑनलाइन पोर्टल प्रस्तुत करना होगा। आवेदन के साथ 430 रु. (चार सौ तीस रुपये मात्र) का भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से चालान की मूल प्रति (हेड - 0058 - मुद्रण तथा लेखन सामग्री, 102 - राजपत्र आदि के प्रकाशन एवं अन्य प्रासंगिक), स्थानीय समाचार पत्र में नाम परिवर्तन के प्रारूप-एक से सूचना के प्रकाशन की मूल प्रति (आवेदन की तारीख से तीन माह से अधिक पुराना ना हो), दो गवाहों के नाम, हस्ताक्षर एवं पते के साथ प्रारूप-दो में विलम्ब प्रारूप की मूल प्रति, 50 रु. के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प पेपर पर प्रारूप-तीन में नोटराइज्ड शपथ पत्र (आवेदन की तारीख से तीन माह से अधिक पुराना ना हो) और सभी प्रकार के दस्तावेज/पहचान पत्र/आई डी, जिनका शपथ पत्र में उल्लेख किया गया हो, अपलोड करना होगा। आवेदन प्रस्तुत होने के पश्चात संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार के पोर्टल में इसे प्रेषित किया जाएगा तथा आवेदक को एक एआरएन नंबर प्राप्त होगा। इसके पश्चात संबंधित तहसीलदार द्वारा प्राप्त आवेदन पर 07 कार्य दिवस भीतर कार्यवाही की जाएगी।

कन्या आस्था गुरुकुल विद्यालय पालनार में 10वीं की छात्राओं के लिए विदाई समारोह आयोजित, जनपद अध्यक्ष हुए शामिल

किरंदुल। विकासखंड कुआकोंडा के अंतर्गत ग्राम पालनार स्थित आस्था कन्या गुरुकुल विद्यालय पोटा केबिन में कक्षा 10वीं की छात्राओं के लिए बुधवार एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रही छात्राओं का उत्साहवर्धन करना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि का संदेशः कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद अध्यक्ष सुकालू मुड़ामी ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का शुभारंभ किया।छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा आप सभी पूरी मेहनत के साथ अपनी बोर्ड परीक्षाओं में बैठें। अच्छे अंकों के साथ सफल होकर न केवल अपने माता-पिता, बल्कि अपने विद्यालय और गांव का नाम भी पूरे क्षेत्र में गौरवान्वित करें। इस अवसर पर सरपंच शपवित्रा मुड़ामी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।उन्होंने छात्राओं को अनुशासन और कठिन परिश्रम का महत्व समझाया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में छात्राओं के पालक भी मौजूद रहे, जिन्होंने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की।विदाई समारोह के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और कनिष्ठ छात्राओं ने विदा हो रही छात्राओं के सम्मान में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।शिक्षकों ने छात्राओं को तिलक लगाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की। 10वीं की छात्राओं ने भी पोटा केबिन में बिताए अपने वर्षों के खट्टे-मीठे अनुभवों को साझा किया,जिससे पूरा माहौल भावुक हो गया।इस सफल आयोजन ने छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाने और उन्हें अपनी जड़ों से जुड़े रहकर शिखर छूने की प्रेरणा देने का काम किया।

सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने पर कोंटा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी

सुप्रीम कोर्ट से कवासी लखमा को जमानत मिलने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी व आतिशबाजी कर खुशी मनाई।

कोंटा। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले से जुड़े मामले में पूर्व मंत्री एवं वर्तमान कोंटा विधायक कवासी लखमा को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद कोंटा ब्लॉक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर कोंटा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सैय्यद उस्मान अली के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने एकत्र होकर नारेबाज़ी की और आतिशबाज़ी कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी और कवासी लखमा के प्रति अपनी एकजुटता प्रदर्शित की। कवासी लखमा आदिवासी समाज के सशक्त नेता हैं और क्षेत्र के विकास तथा जनहित के मुद्दों को लेकर सदैव संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है और भविष्य में भी जनता के अधिकारों के लिए मजबूती से आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि कवासी लखमा जल्द ही पूरी ऊर्जा के साथ जनसेवा और संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि कवासी लखमा ने अपने राजनीतिक जीवन में क्षेत्र के विकास, आदिवासी समाज के उत्थान और आम जनता की समस्याओं को विधानसभा से लेकर सड़कों तक मजबूती से उठाया है। उनके प्रति जनता का भरोसा आज भी कायम है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता, युवा कांग्रेस एवं महिला कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पूरे कोंटा क्षेत्र में उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

कोंटा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सैय्यद उस्मान अली ने कहा कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिया गया यह फैसला सत्य और न्याय की जीत है। कांग्रेस पार्टी और कार्यकर्ताओं को न्याय व्यवस्था पर हमेशा भरोसा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम पंचायतों में 7 फरवरी को मनाया जाएगा रोजगार दिवस

बिलासपुर। जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 7 फरवरी को रोजगार दिवस मनाया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीणों को रोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देना, उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा शासकीय सेवाओं को डिजिटल माध्यम से सुलभ बनाना है। रोजगार दिवस के अवसर पर प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को वीबी जीरामजी योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। योजना के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, लाभ एवं पात्रता से ग्रामीणों को अवगत कराया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को उनके अधिकारों के संरक्षण के संबंध में जागरूक करते हुए सामूहिक रूप से अधिकार संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जाएगा। इसका उद्देश्य ग्रामीणों में सामाजिक जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना है। इसके साथ ही समस्त ग्राम पंचायतों में क्यूआर कोड स्कैनिंग की प्रक्रिया भी कराई जाएगी। इसके माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, सेवाओं एवं जानकारियों तक डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए आसान और त्वरित पहुँच उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने रोजगार दिवस के आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने तथा अधिक से अधिक ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

लघु अवधि प्रशिक्षण कोर्स हेतु आवेदन 14 तक

बिलासपुर। शासकीय महिला आईटीआई कोनी द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए रोजगार एवं स्वरोजगारमुखी शुल्क आधारित लघु अवधि प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश हेतु 14 फरवरी 2026 तक आवेदन फार्म जमा किये जा रहे है। इच्छुक आवेदिका जनरल ड्यूटी असिस्टेंट, ब्यूटी पार्लर एवं फैशन डिजाइनिंग एवं सिलाई कोर्स हेतु आवेदन कर सकती है। प्रवेश हेतु आवदेन फार्म एवं विस्तृत जानकारी हेतु संस्था कार्यालय में कार्यालयीन समय में संपर्क कर सकते है।

एचटीपीएस से सेवानिवृत्त हुए अधीक्षण अभियंता एवं पांच कर्मचारियों को दी गई भावपूर्ण विदाई

कोरबा। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम से माह जनवरी में अधीक्षण अभियंता शैलेषगुप्ता, वरिष्ठ पर्यवेक्षक रमेश कुमार जैस, मदन मोहन पांडेय, कनिष्ठ पर्यवेक्षक ठाकुर राम बरेठ, दिलीप कुमार दीवान और दफ्तरी कुसमा देवी राय सेवानिवृत्त हो गए। सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी व कर्मचारियों को पॉवर कंपनी परिवार की ओर से भावपूर्ण विदाई दी गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंताएचके. सिंह ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पॉवर कंपनी की ओर से आभार जताया। मुख्य अभियंताएचके. सिंह के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृतिचिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया। समारोह में विशिष्टि अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंताआरके. पांडे,केएनबी. राव, पीके. जोशी,एके. शाह,एसके. नायर, परियोजना प्रबंधक एसके पंड्या और वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ एके. कुरनाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। श्रम कल्याण केंद्र (जूनियर क्लब) में आयोजित दीर्घ सेवा सम्मान समारोह मेंमुख्य अभियंताएवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा सेवानिवृत्तकर्मचारियों को स्वस्थ व सुखमय जीवन की शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने अपने 37 से 41 वर्ष के दीर्घ कार्यकाल के अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए कल्याण अधिकारी सुरेश सिंह कंवर द्वाराकर्मचारियों के जीवन परिचय का उल्लेख किया गया। दीर्घ सेवा सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी और सेवानिवृत्तों के परिजन उपस्थित रहे।

मृत खाताधारक की एफडी से 7.10 लाख का फ्रॉड, मोबाइल नंबर बदल कर ठगों ने दिया वारदात को अंजाम

कोरबा। जिले में बैंकिंग सिस्टम की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यहां मृत खाताधारक की फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) से ठगों ने सात लाख 10 हजार रुपये निकाल लिए। ठगों ने न केवल बैंक खाते में दर्ज मोबाइल नंबर बदला, बल्कि खुद को बैंक कर्मचारी बताकर मृतक के घर पहुंचकर एफडी के मूल दस्तावेज भी अपने कब्जे में ले लिए। मामला दीपका थाना क्षेत्र के ग्राम रंजना का है। पीड़िता चंचल जायसवाल के अनुसार, उनके ससुर मेवालाल जायसवाल का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में खाता था। मेवालाल ने 19 अप्रैल 2024 को आठ लाख रुपये की एफडी कराई थी, जिसकी परिपक्वता 23 मई 2025 को होनी थी। एफडी पर कुल 8.70 लाख रुपये मिलने थे। खाते में नामिनी के रूप में पोते अथर्व जायसवाल का नाम दर्ज था। एफडी परिपक्व होने से पहले ही 19 फरवरी 2025 को मेवालाल जायसवाल का निधन हो गया।

विद्युत विभाग का रजत जयंती महोत्सव, उपभोक्ताओं का किया गया सम्मान

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में विद्युत विभाग की अहम भूमिका:उपमुख्यमंत्री

25 वर्षो में शत प्रतिशत विद्युतीकरण की ओर बढ़ा छत्तीसगढ़

बिलासपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव आज छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा सिम्स ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद से छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने बीते 25 वर्षों में राज्य के विद्युत क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए जनजीवन को सुविधा, सुरक्षा और विकास से जोड़ा है। विद्युत आपूर्ति के विस्तार और सुदृढ़ीकरण से ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों तक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। इन्हीं उपलब्धियों को रेखांकित करने विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ रजत जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि विद्युत विभाग के ये 25 वर्ष केवल समय की गणना नहीं, बल्कि उपलब्धियों से भरा हुआ वह कालखंड है जिसने इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि यह अवसर उन उपभोक्ताओं को सम्मानित करने का है, जिनके सहयोग और विश्वास से विद्युत विभाग निरंतर प्रगति

कर रहा है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने सभी उपभोक्ताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में 17 हजार 108 गांव में विद्युतीकृत थे वहीं अब 19 हजार 609 गांव अर्थात शत प्रतिशत गांव में बिजली पहुंच गई है। बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 18 लाख से बढ़कर 66 लाख हो गई है। अति उच्चदाब केंद्रों की संख्या 26 से बढ़कर 137 हो गई है। 33/11 केव्ही विद्युत उपकेंद्रों की संख्या 248 से बढ़कर 1478 हो गयी है जो विद्युत के क्षेत्र में निरंतर प्रगति को दर्शाता है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि भारत रत्न आदरणीय अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा अलग छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण इसलिए किया गया ताकि यहां के संसाधनों का उपयोग यहीं के लोगों के विकास के लिए हो सके। विद्युत क्षेत्र में आए सकारात्मक बदलाव इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। एक समय था जब एक विद्युत कनेक्शन भी बड़ी उपलब्धि माना जाता था, जबकि आज बिजली के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में यह स्पष्ट है कि बिजली के बिना पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हो सकतीं। एक घंटे बिजली बाधित होने पर ही उसके महत्व का वास्तविक आभास हो जाता है। ऐसे में उपभोक्ताओं में विद्युत के प्रति जागरूकता और विद्युत विभाग के कर्मचारियों के प्रति सम्मान की भावना आवश्यक है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई योजनाओं के माध्यम से सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे उपभोक्ता ऊर्जा उपभोक्ता के साथ-साथ ऊर्जा उत्पादक भी बन रहे हैं। कार्यक्रम में विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के बाद विद्युत मंडल के पृथक होने से बिजली के क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन आया है। उन्होंने बताया कि आज बिजली हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। श्री कौशिक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में विद्युत क्षेत्र में मजबूत ढांचा खड़ा किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कृषि पंपों की संख्या 73 हजार से बढ़कर 8 लाख 28 हजार हो गई है। एकल बती कनेक्शन धारकों की संख्या 6 लाख से बढ़कर 15 लाख हो गई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में विश्व कैंसर दिवस सफलता पूर्वक मनाया गया...

■ जागरूकता, समय पर जांच और सही उपचार – कैंसर के विरुद्ध प्रभावी हथियार

बिलासपुर। चिकित्सा विभाग, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा विश्व कैंसर दिवस का सफलतापूर्वक अवलोकन हर वर्ष की तरह 04 फरवरी को किया गया। इस वर्ष विश्व कैंसर दिवस की थीम एकता में विशिष्टता रही, जिसका उद्देश्य कैंसर से प्रभावित प्रत्येक व्यक्ति की अलग-अलग परिस्थितियों को समझते हुए सामूहिक प्रयासों के माध्यम से जागरूकता, रोकथाम एवं उपचार को सशक्त बनाना था। इस अवसर पर कैंसर के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कैंसर के कारण, लक्षण, समय पर पहचान एवं उपलब्ध उपचार विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं लाभार्थियों को यह बताया गया कि प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर इसका उपचार अधिक प्रभावी एवं सफल हो सकता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के केन्द्रीय चिकित्सालय बिलासपुर और मंडल रेल्वे चिकित्सालय रायपुर में कैंसर के इलाज के लिए कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध है तथा रेडियोथेरेपी और कैंसर सर्जरी के लिए प्राइवेट कैंसर अस्पताल की सहायता से उपचार किया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया गया कि रोगी की स्थिति के अनुसार एक से अधिक उपचार पद्धतियों का संयोजन किया जा सकता है। चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा स्वस्थ जीवनशैली, नियमित स्वास्थ्य जांच, नशीले पदार्थों से परहेज तथा संतुलित आहार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

ग्राम पंचायत मुरु में आवास पूर्णता अभियान-कलेक्टर...

■ 142 हितग्राहियों के घर-घर पहुँची जनपद टीम अपूर्ण आवासों पर दिया अल्टीमेटम

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल एवं जिला पंचायत सीईओ श्री संदीप के निर्देशानुसार जनपद पंचायत तखतपुर की टीम ने ग्राम पंचायत मुरु में आवास पूर्णता को लेकर विशेष अभियान चलाया। इस दौरान 142 आवास हितग्राहियों के घर-घर पहुँचकर अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों को शीघ्र शुरू करने और पूरा करने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान में सीईओ जनपद पंचायत तखतपुर श्री सत्यव्रत तिवारी के नेतृत्व में जनपद की पूरी टीम दिनभर ग्राम मुरु में उपस्थित रही। निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों को शासन की मंशा से अवगत कराते हुए समय-सीमा में आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन दिया गया। इस अवसर पर जनपद सदस्य श्री दिलीप ध्रुव, सरपंच श्रीमती ललिता पटेल सहित डीईओ, पीओ, एजीपीओ, उपअभियंता, एडीईओ, तकनीकी सहायक, उपसरपंच, सचिव, रोजगार सहायक, वार्ड पंच, आवास मित्र, मेट, महिला स्व-सहायता समूह एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। प्रशासन द्वारा चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य अपूर्ण एवं अप्रारंभ आवासों को शीघ्र पूर्ण कर पात्र हितग्राहियों को आवास सुविधा उपलब्ध कराना है।

अनुरक्षण कार्यों के अंतर्गत तीव्र गति से निष्पादित हो रहे हैं रेलवे ट्रैक रिन्यूअल कार्य-राकेश रंजन....

■ इन कार्यों से ट्रैक तथा गाड़ियों की संरक्षा गुणवत्ता होगी और भी मजबूत

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल द्वारा मल्टी-ट्रैकिंग एवं अधोसंरचना विकास कार्यों के साथ-साथ अनुरक्षण गतिविधियों के अंतर्गत ट्रैक पर विभिन्न रिन्यूअल कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन के मार्गदर्शन तथा इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों से ट्रैक अनुरक्षण क्षेत्र में सभी नवीनीकरण कार्यों को प्राथमिकता एवं गति के साथ निष्पादित किया जा रहा है। ट्रैक नवीनीकरण के इन कार्यों में सी.टी.आर. (कम्पलीट ट्रैक रिन्यूअल), टी.आर.आर. (थ्रू रेल रिन्यूअल), टी.एस.आर (थ्रू स्लीपर रिन्यूअल), टी.टी.आर (थ्रू टर्न आउट रिन्यूअल), डीप स्क्रीनिंग जैसे प्रमुख कार्य शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रैक नवीनीकरण से संबद्ध उक्त समस्त कार्य संरक्षा से जुड़े हुए कार्य हैं एवं ट्रैफिक ब्लॉक लेकर ही इन कार्यों को निष्पादित किया जाता है। मंडल द्वारा इन कार्यों को उच्च दक्षता एवं संरक्षा मानकों के साथ पूरा किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 के 10 माह (अप्रैल 2025 से जनवरी 2026) में अनुरक्षण कार्यों के अंतर्गत 110.413 ट्रैक किलोमीटर रेल नवीनीकरण, 98.82 ट्रैक किलोमीटर स्लीपर नवीनीकरण, 218 यूनिट्स टर्नआउट नवीनीकरण, 23 यूनिट्स टर्न आउट डीप स्क्रीनिंग तथा 56.0 ट्रैक किलोमीटर में डीप स्क्रीनिंग कार्य निष्पादित किया गया है। इन सभी नवीनीकरण कार्यों से ट्रैक की मजबूती एवं यात्री गाड़ियों की संरक्षा गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित हो रहा है। बिलासपुर मंडल अपने निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में निरंतर अग्रसर है तथा संरक्षा से जुड़े कार्यों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

प्रदेश में खुलेंगे 4 नए उप पंजीयक कार्यालय

■ भखारा, लवन, सकरी और राजकिशोर नगर में उप पंजीयक कार्यालयों को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

बिलासपुर। प्रदेश में आम नागरिकों को रजिस्ट्री एवं पंजीयन से जुड़ी सेवाएं सहज, सुलभ और समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। रजिस्ट्रीकरण अधिनियम-1908 के प्रावधानों के तहत भखारा (जिला धमतरी), लवन (तहसील मुख्यालय, जिला बलौदाबाजार -भाटापारा), सकरी एवं राजकिशोर नगर (बिलासपुर) में चार नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार धमतरी जिला के भखारा में नवीन उप पंजीयक कार्यालय खोलने हेतु प्रशासकीय स्वीकृत दी गई है। इसी प्रकार जिला पंजीयक बलौदाबाजार-भाटापारा के अंतर्गत तहसील मुख्यालय लवन और बिलासपुर जिले के राजकिशोर नगर एवं सकरी में उप पंजीयक कार्यालय खोलने प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किया गया है। इन नए उप पंजीयक कार्यालयों के खुलने से संबंधित क्षेत्रों के नागरिकों को रजिस्ट्री कार्य के लिए दूरस्थ जिला मुख्यालयों तक नहीं जाना पड़ेगा। इससे समय और धन की बचत होगी, भीड़ कम होगी तथा पंजीयन प्रक्रिया अधिक सुगम और पारदर्शी बनेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और प्रशासनिक कार्यों में गति आने की भी संभावना है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि शासन की सेवाएं आम नागरिकों तक उनके निकटतम स्तर पर उपलब्ध हों। नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति से लोगों को पंजीयन संबंधी कार्यों में बड़ी राहत मिलेगी। यह निर्णय सुशासन की दिशा में एक और सशक्त कदम है, जिससे नागरिकों का समय बचेगा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ेगी। वित्त एवं वाणिज्य कर पंजीयन मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि राज्य हमारी सरकार नागरिक सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।चार नए उप पंजीयक कार्यालयों की स्वीकृति इसी सोच का परिणाम है। नए उप पंजीयक कार्यालय खुलने से पंजीयन व्यवस्था मजबूत होगी और लोगों को उनके क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल सकेंगी, जिससे प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और त्वरित होगी। उन्होंने बताया कि पंजीयन विभाग द्वारा 10 नए क्रांतिकारी सुधार लागू किए गए हैं, जिनका लाभ इन क्षेत्रों के नागरिकों को भी मिलेगा। इनमें ऑटो डीड जनरेशन, आधार आधारित बायोमेट्रिक सत्यापन, घर बैठे रजिस्ट्री, स्वतः नामांतरण, ऑनलाइन भारमुक्त प्रमाणपत्र, एकीकृत कैशलेस भुगतान, व्हाट्सएप आधारित सेवाएं, डिजीलॉकर एकीकरण, डिजी-डॉक सेवा तथा खसरा नंबर के माध्यम से ऑनलाइन सर्च एवं रजिस्ट्री डाउनलोड की सुविधा शामिल है। राज्य सरकार के इस निर्णय को जनहित में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे पंजीयन व्यवस्था अधिक विकेंद्रीकृत और प्रभावी बन सकेगी।

राज्य के एकमात्र अत्याधुनिक स्पोर्ट्स रिहैबिलिटेशन सेंटर का उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया शुभारंभ

■ खेल और खिलाड़ियों के लिए मददगार होगा सेंटर : उपमुख्यमंत्री

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर को खेल जगत में एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य का एकमात्र अत्याधुनिक स्पोर्ट्स परफॉरमेंस एवं रिहैबिलिटेशन सेंटर अब बिलासपुर में शुरू हो गया है। इस नवनिर्मित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में स्थित इस सेंटर का भव्य शुभारंभ उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम में विधायक सर्व श्री धर्मजीत सिंह, श्री धरमलाल कौशिक, श्री सुशांत शुक्ला मौजूद रहे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि यह केंद्र खिलाड़ियों के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा। इससे खिलाड़ियों को एक ही स्थान पर सभी आधुनिक सुविधाएं मिल सकेगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अरूण साव ने कहा कि इस सेंटर की आवश्यकता और उपयोगिता से खिलाडियों को काफी लाभ मिलेगा। ये खेल और खिलाड़ियों के लिए काफी लाभकारी होगा। अपने शारीरिक क्षमता को समझे बिना किसी खेल में सफलता नहीं मिलती। यह सेंटर खिलाड़ियों को मदद करने का काम करेगा। ये जिले के लिए बड़ी उपलब्धि है। यह आधुनिक तकनीक से सुसज्जित है, डॉक्टरों की टीम एवं सभी सुविधाएं यहां खिलाड़ियों को मिलेगी। अवीक स्पोर्ट्स खिलाड़ियों के बेहतर भविष्य के लिए मददगार होगा अविक स्पोर्ट्स हेल्थ एंड फिटनेस कई वर्षों से खिलाड़ियों के

परफॉरमेंस एनहांसमेंट और रिहैबिलिटेशन के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। डॉ. अविनाश जायसवाल के कुशल मार्गदर्शन में यह संस्थान अब तक सैकड़ों खिलाड़ियों को खेल चोटों से उबरने और बेहतर प्रदर्शन की दिशा में निरंतर सहयोग देता आ रहा है। अब अविक स्पोर्ट्स नए स्थान, आधुनिक साज-सज्जा और अत्याधुनिक खेल विज्ञान आधारित तकनीकों के साथ एक नई शुरुआत करने जा रहा है, जिससे खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस स्पोर्ट्स परफॉरमेंस लैब की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां खिलाड़ियों को होने वाली चोटों की वैज्ञानिक तकनीकों से सटीक पहचान की जाती है और जड़ से उपचार कर खिलाड़ी को पूरी तरह 'रेडी टू प्ले' बनाया जाता है। यहां खिलाड़ियों को जिम ट्रेनिंग, व्यक्तिगत डाइट प्लान, न्यूट्रिशन सपोर्ट, इंजरी प्रिवेंशन, साइंटिफिक ट्रीटमेंट और रिहैबिलिटेशन जैसी सभी अत्याधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी। यह सेंटर बिलासपुर ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। इससे खिलाड़ियों को न केवल चोटों से उबरने में सहायता मिलेगी।

महाशिवरात्रि का त्योहार कब मनाया जाएगा? 15 या 16 फरवरी

साल 2026 में महाशिवरात्रि का महापर्व 15 फरवरी 2026, रविवार को मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। चूँकि मुख्य पूजा मध्यरात्रि (निशीथ काल) में होती है, इसलिए 15 फरवरी की रात ही शिव साधना के लिए सबसे उत्तम है।

● महाशिवरात्रि 2026: शुभ मुहूर्त:-

चतुर्दशी तिथि प्रारंभ: 15 फरवरी 2026, शाम 05:04 बजे से।
चतुर्दशी तिथि समाप्त: 16 फरवरी 2026, शाम 05:34 बजे तक।

● दिन की पूजा का शुभ मुहूर्त:-

अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:13 से 12:58 तक।
गोधूलि मुहूर्त: शाम 06:09 से 06:34 तक।

● निशीथ काल (मुख्य पूजा) समय:-

15 फरवरी की रात 11:52 PM से 16 फरवरी की रात 12:42 AM तक। स्थानीय समय में 5-7 मिनट का अंतर रहता है।
पारण का समय: 16 फरवरी को सुबह 06:59 बजे के बाद।

● विशेष नोट:-

चूंकि शिवरात्रि का पर्व रात्रि में मनाया जाता और इसकी पूजा निशीथ कल में होती है। इसलिए कई विद्वान 15 फरवरी को मनाया जाने की सलाह दे रहे हैं। काल निर्णय और लाल रामस्वरूप कैलेंडर में 15 फरवरी की तारीख दी गई है।

● रात्रि के चार प्रहर की पूजा का समय

शिवरात्रि पर रात भर जागकर चार प्रहर की पूजा करने का विधान है, जिसके समय इस प्रकार रहेंगे:

प्रथम प्रहर: शाम 06:11 PM से रात 09:23 PM तक।
द्वितीय प्रहर: रात 09:23 PM से रात 12:35 AM तक।
तृतीय प्रहर: रात 12:35 AM से सुबह 03:47 AM तक।
चतुर्थ प्रहर: सुबह 03:47 AM से सुबह 06:59 AM तक।

ऑनलाइन गेम की आदत बच्चों की ले रही है जान

मेंटल हेल्थ बिगाड़ रहा रील्स का एडिक्शन

एक गेम, एक टास्क और सेकंड में पूरा परिवार तबाह। आज का दौर मोबाइल फ़ोन का दौर है, लेकिन हंसते-खेलते बच्चे स्क्रीन में इस कदर डूब रहे हैं कि मां-बाप को पता भी नहीं चलता और जिंदगी हाथ से फिसल जाती है। जी हां गाजियाबाद के दर्दनाक हादसे ने पूरे देश को हिला दिया है। 3 फरवरी की रात तीन सगी बहनों ने 9वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। बच्चियों की उम्र 16 साल, 14 साल और सिर्फ 12 साल की थी। जो मोबाइल गेम 'कोरियन लवर' की आदी थीं। गेम के आखिरी टास्क के नाम पर बच्चियों ने आत्महत्या कर ली। घर में माता-पिता थे, लेकिन बच्चों की दुनिया बस मोबाइल बन चुका था।

पुलिस को मिला सुसाइड नोट दिल दहला देने वाला था। मोबाइल बच्चों की जिंदगी बन गया था। बच्चियां तीन साल से गेम की गिरफ्त में थी मां-बाप को खबर ही नहीं लगी और परिवार बर्बाद हो गया। ये अकेली घटना नहीं है। कर्नाटक में एक 13 साल का बच्चा छत से कूद गया, जबकि मां घर के अंदर थी। बच्चा मोबाइल गेम के चैलेंज के चक्कर में था। मतलब मोबाइल गेम्स अब सिर्फ मनोरंजन नहीं जानलेवा बन चुके हैं। अब दिमाग में सवाल आता है कि ये मोबाइल गेम्स आखिर बच्चों के दिमाग के साथ कैसे खेलतें हैं?

बढ़ रही हैं ये बीमारी

बच्चों के लिए जानलेवा गेम

असल में भारत में इस वक्त करीब '59 करोड़ गेमर्स' हैं। करीब 74% Gen Z हर हफ्ते 6 घंटे से ज्यादा गेम खेलते हैं। डॉक्टर्स के पास हर हफ्ते '4 से 5 केस सिर्फ गेमिंग एडिक्शन' के आ रहे हैं। कर्नाटक में तो कुछ महीनों के अंदर सुसाइड के 32 केस आए, जो सीधे-सीधे ऑनलाइन गेमिंग से जुड़े थे।

गेम से बच्चों के दिमाग पर असर

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक गेम जीतने पर दिमाग में डोपामिन रिलीज होता है और यही खुशी धीरे-धीरे एडिक्शन बन जाती है। हार हुई तो गुस्सा, चिड़चिड़ापन, नींद खराब, पढ़ाई खत्म, रिश्ते टूटने लगते हैं। 2026 की एक स्टडी के मुताबिक हाल ये है कि भारत में 60% मानसिक बीमारियां 35 साल से कम उम्र में शुरू हो रही हैं और इसकी बड़ी वजह मोबाइल, स्क्रीन और ऑनलाइन गेमिंग का नशा है। दरअसल, आज जरूरत सिर्फ रोक-टोक की नहीं है। बात समझने की है और बात करने की है। पेरेंट्स को बच्चों के दिल और दिमाग को पढ़ना होगा। वरना गेम के एक छोटे से टास्क के नाम पर बच्चों की जिंदगी यूं ही खत्म होती रहेंगी।

सोशल मीडिया के नुकसान

घबराहट, अकेलापन, अनिद्रा, डिप्रेशन, हकीकत से दूरी, डिजिटल एडिक्शन, TEXT NECK सिंड्रोम का असर, सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, झुनझुनी और पीठ दर्द

बीमारी की गिरफ्त में 14 से 24 साल के युवा

पिछले एक साल में 15 से 20% मामले बढ़े, युवा 24 घंटे में से 5-6 घंटे सेलफोन पर रहते हैं, MNC's वाले 8 घंटे लैपटॉप, 5-6 घंटे मोबाइल पर, 20% पढ़ाई करने वाले मोबाइल पर रहते हैं

ब्लाउज या सूट के हुक में जंग से ऐसे रखें सेफ

अक्सर ऐसा होता है कि ब्लाउज ज्यादा पुराने नहीं होते, फिर भी उनके हुक में जंग लग जाता है। मेटल वाले ये हुक ब्लाउज के अलावा सूट, ब्रा या किसी भी आउटफिट में लगे हो सकते हैं। जंग लगने के बाद ये देखने में तो खराब लगते ही हैं, साथ ही कपड़े पर दाग भी छोड़ देते हैं। ऐसा आमतौर पर दो वजहों से होता है। पहला, जब ब्लाउज में धोने के बाद नमी बनी हुई हो और उसे फोल्ड कर के रख दिया जाए। दूसरा पसीने की वजह से भी हुक में जंग लग जाता है। ऐसे में अगर आप अपने ब्लाउज को जंग लगने से सेफ रखना चाहती हैं, तो ये सिंपल से हैक ट्राई कर सकती हैं। अगर पहले से ही जंग लग चुका है और कपड़े पर उसके दाग लग गए हैं, तो इन्हें रिमूव कैसे करना है इसका तरीका भी जानते हैं।

जंग के दाग कैसे छुड़ाएं?

अगर कपड़े पर जंग का दाग लग गया है तो इस सिंपल सी ट्रिक से आप उसे साफ कर सकती हैं। इसके लिए दाग वाले हिस्से पर नमक छिड़क दें। ऊपर से अच्छी तरह नींबू निचोड़ें ताकि सारा दाग अच्छी तरह भीग जाए। अब इसे कपड़ों के ब्रश या टूथब्रश की मदद से हल्के हाथों से रगड़ें और फिर धूप में आधा घंटा सूखने के लिए रख दें। इसके बाद कपड़े को वॉश करेंगी तो जंग का दाग पूरी तरह गायब हो जाएगा। हालांकि ध्यान रखें अगर शिफॉन या सिल्क जैसा नाजुक कपड़ा है, तो पहले छोटे से हिस्से पर टेस्ट जरूर कर लें।

इस हैक से ब्लाउज के हुक में नहीं लगेगा जंग

ब्लाउज या किसी भी आउटफिट में अगर हुक लगा हुआ है तो एक सिंपल सा काम कर सकती हैं। इससे जंग बिल्कुल भी नहीं लगेगा। आपको बस ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश लेनी है और सारे हुक पर अप्लाई कर देनी है। हर हुक पर नेल पॉलिश की दो-तीन लेयर अच्छे से लगा दें। ऐसा करने से हुक बिल्कुल नए जैसे रहेगें। हालांकि ध्यान रखें कि कुछ टाइम बाद नेल पॉलिश हट जाती है इसलिए इसे दोबारा अप्लाई करना ना भूलें। नया हुक लगवाने से बेहतर है कि आप ये नेल पॉलिश वाला सिंपल सा हैक ट्राई कर लें।

हुक में लग गया है जंग तो ये काम करें

अक्सर आपने नोटिस किया होगा कि एक बार अगर ब्लाउज के हुक में जंग लग जाए, तो इसके दाग पूरे में फैल जाते हैं। इसकी वजह से ब्लाउज का कपड़ा फटने का डर भी रहता है। खासतौर से वो साड़ियां जो आप कभी-कभी पहनती हैं, रखे रखे उनमें जंग फैलने का खतरा रहता है। ऐसे में आप सेलो टेप की मदद ले सकती हैं। थोड़ी सी टेप काटें और सारे जंग लगे हुक पर लगा दें। इससे हुक कवर हो जाएंगे और जंग बाकी के कपड़े को खराब नहीं करेगा।

छोटा बेडरूम कैसे सजाएं

छोटा बेडरूम अक्सर लोग ऐसे सामान और डेकोरेटिव आइटम्स से भर लेते हैं कि वह और छोटा दिखने लगता है। हमेशा कमरे में कम चीजें रखनी चाहिए, जिससे स्पेस दिखे और कमरा भी सुंदर लगे। अगर आपका बेडरूम छोटा है, तो उसे सजाने के लिए कुछ आइडिया हम आपको दे रहे हैं। इन्हें अपनाने के बाद आपका रूम बड़ा दिखेगा और सुंदर भी।

इंटीरियर पर दें ध्यान

कमरे में हमेशा हल्के रंग से पुताई करवाएं। ज्यादा चटक या आंखों में चुभने वाले रंग कमरे को छोटा दिखाते हैं। हल्के और शांत दिखने वाले कलर्स से पुताई करवाएं। इंटीरियर थोड़ा उभरा हुआ करवा सकते हैं, जिससे दीवारों का लुक अच्छा लगे।

पेंटिंग्स या फोटो फ्रेम

कमरे की दीवार पर किसी एक साइड ही पेंटिंग या फैमिली फोटो लगाएं। चारों ओर दीवार पर कुछ भी लटकाने से लुक खराब हो जाता है और ये कमरे को छोटा दिखाता है। बेड के ऊपर फैमिली फोटो या कोई सीनरी पेंटिंग लगवाएं।

साइड टेबल

कमर में बेड के साइड में टेबल रखें, जिससे आपकी छोटी-मोटी चीजें टेबल के अलमारियों में रहें। साइड टेबल पर लैंप सजाएं या कोई फ्लॉवर वॉस सजा सकते हैं। इससे रूम को थोड़ा एस्थेटिक लुक मिलेगा।

पर्दे के रंग

कमरे की खिड़कियों और दरवाजों पर पर्दे अच्छे डिजाइन व कलर के लगवाएं। रूम के पेंट के कलर के हिसाब से कन्ट्रास्ट या फिर मैचिंग में पर्दे लगवाएं। पर्दों से भी कमरे का लुक बदल जाएगा।

बेड बॉक्स चुनें

कमरे को बड़ा और स्पेशियस रखना है, तो

सामान रखने वाले फर्नीचर चुनें। जैसे बेड बॉक्स, स्लाइडिंग सोफा, छोटी अलमारियां वगैरह। इससे आप सारा सामान बेड के अंदर रख सकते हैं, बाहर कुछ भी बिखरा नहीं दिखेगा।

कालीन वाला लुक

बेड के नीचे हमेशा डार्क कलर की कालीन बिछाएं। इससे कमरे में एंट्री करने पर आपको बेड वाला एरिया लंबा दिखेगा। ये सिर्फ आंखों का धोखा होता है, क्योंकि यहां पर सारा खेल रंग का है। कालीन से रॉयल फील भी मिलेगा।

पिलो गेम

बेड पर सिर्फ 2 नहीं बल्कि छोटे-छोटे कुशन भी रखें। इससे आपको आराम मिलेगा और देखने में ये सुंदर लगता है। इसके अलावा बेड पर बिछी चादर सही ढंग से और ब्लैंकेट हमेशा फोल्ड करके रखें। इससे कमरा साफ दिखता है।

अचार का डिब्बा बैग में रखने के लिए लें लीक प्रूफ

ट्रैवल के लिए कहीं निकलना हो और खाने की चीजों को पैक करना कई बार मुश्किल लगता है। खासतौर पर जब मम्मियां हॉस्टल जाते वक्त डिब्बे में अचार भरकर दे देती है। क्योंकि असर उन डिब्बों से तेल लीक हो कर बाहर गिरने लगता है और साथ में रखे दूसरे सामान को गंदा कर देता है। अगर आपके साथ भी कभी ऐसा हो चुका है तो अचार के डिब्बे को लीकप्रूफ बनाने का ये कमाल का हैक जरूर जान लें।

अचार के डिब्बे को लीकप्रूफ बनाने का हैक

एयर टाइट डिब्बे भी कई बार अचार रखने पर धोखा दे देते हैं। उनमे से अचार का तेल, मसाला बह जाता है। और, सारे बैग के साथ सामान में तेल के धब्बे और महक भर जाती है। इस समस्या से बचने के लिए बस इस छोटी सी ट्रिक को ट्राई कर के देख लें। ये ट्रिक प्लास्टिक के डिब्बे को लीकप्रूफ बनाने में मदद करेगी। बस किसी भी प्लास्टिक का डिब्बा जिसमे अचार रखा हो लें। अब एक प्लास्टिक के डिब्बे के आकार से थोड़ा बड़े साइज में काटकर एल्यूमिनियम फॉइल लें। अब ढक्कन को हटाकर डिब्बे के मुंह पर एल्यूमिनियम फॉइल को काटकर डिब्बे के आकार का बना लें। इस एल्यूमिनियम फॉइल को डिब्बे के मुंह पर रखें। ये तरीका भी आपके अचार के तेल को बहने से रोकने में मदद करेगा।

लगातार सिरदर्द हो सकता है जानलेवा

परीक्षा का तनाव और बढ़ा हुआ स्क्रीन टाइम समझकर नजरअंदाज की जा रही लगातार सिरदर्द की शिकायत दरअसल जानलेवा मस्तिष्क रक्तस्राव निकली। मुंबई की 16 वर्षीय एचएससी छात्रा की समय पर की गई आपातकालीन मस्तिष्क सर्जरी से डॉक्टरों ने उसकी जान बचा ली।प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रा को कई महीनों से तेज सिरदर्द हो रहा था। परिवार ने शुरुआत में इसे पढ़ाई का दबाव, नया चश्मा और मोबाइल-कंप्यूटर के अधिक उपयोग से जुड़ी सामान्य समस्या समझा। लेकिन दर्द बढ़ने पर उसे मुंबई सेंट्रल स्थित वॉकहार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कंसल्टेंट इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. ऋतुजा उगलमुगले ने जांच के दौरान गंभीर चेतावनी संकेत पहचाने। तत्काल किए गए सीटी स्कैन में दिमाग के भीतर बड़े पैमाने पर रक्तस्राव (इंट्राक्रैनियल ब्लीड) और "मिडलाइन शिफ्ट" पाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, ऐसी स्थिति में मरीज के कोमा में जाने या मृत्यु का खतरा अत्यधिक होता है।

जांच में छात्रा के खून में INR स्तर खतरनाक रूप से बढ़ा हुआ पाया गया। वह बचपन में हुई हृदय सर्जरी के बाद से रक्त पतला करने वाली दवाएं ले रही थी। डॉक्टरों का मानना है कि इन्हीं दवाओं से जुड़ी जटिलता के कारण यह गंभीर रक्तस्राव हुआ।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कंसल्टेंट ब्रेन एंड स्पाइन सर्जन डॉ. माझदा तुरेल ने तुरंत क्रैनियोटॉमी सर्जरी की। इस प्रक्रिया में दिमाग में जमा खून का थक्का निकालकर दबाव कम किया गया। "अगर समय पर सर्जरी नहीं होती तो स्थायी मस्तिष्क क्षति की आशंका थी," डॉ. तुरेल ने बताया।

सर्जरी के बाद छात्रा करीब तीन सप्ताह तक आईसीयू में भर्ती रही। इसके बाद उसे नियोजित फिजियोथेरेपी दी गई। इलाज का अच्छा असर हुआ और उसकी न्यूरोलॉजिकल स्थिति में लगातार सुधार देखा गया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अब वह खतरे से बाहर है।

डॉक्टरों ने इस मामले के जरिए महत्वपूर्ण संदेश दिया है कि लंबे समय से दवाएं ले रहे बच्चों, खासकर रक्त पतला करने वाली दवाएं लेने वाले मरीजों, को नियमित जांच और फॉलो-अप कभी नहीं छोड़ना चाहिए। लगातार सिरदर्द, उल्टी, चक्कर आना या व्यवहार में बदलाव जैसे लक्षणों को हल्के में नहीं लेना चाहिए, क्योंकि देरी जानलेवा साबित हो सकती है।

सिर एवं गर्दन, जठरांत्र, स्तन और रक्त संबंधी कैंसर की अधिकता

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर मणिपाल हॉस्पिटल्स कोलकाता ने अपनी ऑन्कोलॉजी सेवाओं को और सशक्त करते हुए मणिपाल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर का शुभारंभ किया। इसके तहत अत्याधुनिक क्लिनिकल हेमेटोलॉजी, हेमेटो-ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट (BMT) यूनिट की शुरुआत की गई। रोकथाम और प्रारंभिक जांच के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए अस्पताल ने 'कवच' - सामुदायिक स्वास्थ्य स्क्रीनिंग कार्यक्रम भी लॉन्च किया। यह पहल मणिपाल फाउंडेशन द्वारा कोलकाता नगर निगम (KMC) के सहयोग से शुरू की गई है।

मणिपाल हॉस्पिटल, ईएम बाइपास में आयोजित इस कार्यक्रम में फिरहाद हकीम, माननीय मेयर, कोलकाता नगर निगम; नारायण स्वरूप निगम, आईएएस, प्रधान सचिव (स्वास्थ्य); अनन्या बनर्जी, पार्षद, कोलकाता नगर निगम (वार्ड 109); हरिनारायण शर्मा, सीईओ, मणिपाल फाउंडेशन; डॉ. सुरेंद्र कुमार दाबस, चेयरमैन, मणिपाल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर सेंटर एवं ऑन्को रोबोटिक सर्जरीज़, नॉर्थ वेस्ट क्लस्टर; डॉ. मुरली श्रीनिवासन, चीफ ऑफ मेडिकल सर्विसेज, मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइज प्रा. लि.; डॉ. अयनाभ देबगुप्ता, रीजनल डायरेक्टर – ईस्ट रीजन; डॉ. सौरव दत्ता, डायरेक्टर – मणिपाल कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर (मुकुंदपुर, साल्ट लेक एवं सिलीगुड़ी क्लस्टर्स); तथा कोमल डाशोरा, क्लस्टर डायरेक्टर – मुकुंदपुर क्लस्टर की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कॉम्प्रिहेंसिव कैंसर केयर सेंटर की शुरुआत पूर्वी भारत के ऑन्कोलॉजी परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर करती है, जहां कैंसर के बढ़ते मामलों के साथ अक्सर देर से निदान और एकीकृत कैंसर सेवाओं की सीमित उपलब्धता देखने को मिलती है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) और क्षेत्रीय कैंसर रजिस्ट्रियों के अनुसार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूर्वी भारत, देश के कुल कैंसर बोझ का एक बड़ा हिस्सा वहन करता है। इस क्षेत्र में सिर एवं गर्दन, जठरांत्र, स्तन और रक्त संबंधी कैंसर की अधिकता देखी जाती है। लगभग 60% मामलों का निदान उन्नत अवस्था में होता है, जिससे उपचार जटिल हो जाता है और परिणाम अपेक्षाकृत कम अनुकूल रहते हैं। यह केंद्र रोकथाम, स्क्रीनिंग, प्रारंभिक निदान, मेडिकल व सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, हेमेटोलॉजी, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, सपोर्टिव केयर और सर्वाइवर्शिप सेवाओं को एक समन्वित, मल्टीडिसिप्लिनरी मॉडल के तहत एक ही छत के नीचे प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। आईसीएमआर के अनुमानों के अनुसार, ल्यूकेमिया, लिम्फोमा और मल्टीपल मायलोमा जैसे हेमेटो-ऑन्कोलॉजिकल रोग भारत के कुल कैंसर मामलों का लगभग 7–8% हिस्सा हैं, और हर वर्ष 1 लाख से अधिक नए रक्त कैंसर के मामले सामने आते हैं। इन रोगों के लिए बोन मैरो ट्रांसप्लांट एक संभावित जीवनरक्षक और उपचारात्मक विकल्प है, लेकिन बड़े महानगरों के बाहर इसकी उपलब्धता सीमित है।

मॉडल तालाब से बदहाली तक पहुंचा गंगासागर, करोड़ों खर्च के बाद भी नहीं सुधरी स्थिति

जिम्मेदारों ने गंगासागर को बना दिया चारागाह, भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा पार

बालोद। अविभाजित मध्यप्रदेश शासनकाल में निर्मित बालोद का ऐतिहासिक गंगासागर तालाब, जो कभी पूरे छत्तीसगढ़ के लिए मॉडल तालाब का दर्जा रखता था, आज पूरी तरह अपना अस्तित्व खो चुका है। इसे दूर से देखिए तो सुंदर-स्वच्छ होने की गलतफहमी हो सकती है लेकिन पास जाइये तो सपनों की नाव बदहाली के समंदर में डूबती नज़र आएगी। ये हालत तब जबकि नगर पालिका हर साल तालाब को संवारने के लिए लाखो का बजट पास कराता है। लेकिन पैसा कहां जाता है, ये एक रहस्य है। देखा जाए तो गंगासागर तालाब की पहचान स्टेट लेवल पर है। इसे मॉडल तालाब का भी दर्जा मिला है। इस दौर के नगर पालिका अध्यक्ष रहें यज्ञदत्त शर्मा ने इसे मॉडल तालाब के रूप में विकसित कराया था और यही कारण था कि गंगासागर को पूरे छत्तीसगढ़ में मॉडल तालाब का दर्जा प्राप्त हुआ। लेकिन विडंबना देखिए कि जिस तालाब पर कभी राज्य को गर्व था, वही आज सत्ता, सिस्टम और सौंदर्यकरण की राजनीति का सबसे शर्मनाक उदाहरण बन चुका है, और आज तालाब जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी के लिए आय का एक प्रमुख साधन बन चुका है। जिम्मेदारों ने गंगासागर को चारागाह बना डाला है। बताया जाता है कि पिछले 10 वर्षो में गंगासागर तालाब के लिए विभिन्न मदो से तकरीबन सवा करोड़ रूपए खर्च किए गए। यहां पर 27 लाख रुपये के डीएमएफ फंड से म्यूजिकल फाउंटेन लगाए गए। लेकिन नगरपालिका की इच्छाशक्ति के अभाव में यह फाउंटेन अब बदहाल हो चुका है। ट्रायल के बाद से ही फव्वारा बंद पड़ा है। फव्वारे का कोई हिस्सा काम नहीं कर रहा है। अभी 19.99 लाख एवं 19.88 लाख रुपये से वाटर सप्लाई पाइप लाइन वर्क, ट्यूब वेल, पाथवे डेंवेलपमेंट, प्लांटेशन, फेंसिंग बाउंड्री वॉल, गार्डन लाइटिंग पोल विद केबलिंग कम्प्लीट वर्क, बाउंड्री वॉल व गेट पेंटिंग वर्क के कार्य किये जा रहे है।

सियान सदन आ रहा कबाड़ रखने के काम

10 सालों तक नगर पालिका और प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रही और उस समय भी इस तालाब के सौंदर्यीकरण सहित अन्य कार्यो के लिए लाखों रूपए खर्च किए गए, तालाब के पानी की गंदगी को खत्म करने और पानी की सफाई के लिए तालाब को खाली भी कराया गया था। तात्कालिक नगर पालिका अध्यक्ष विकास चोपड़ा ने नौका विहार की भी शुरुआत कराई थी। कश्मीर की तर्ज पर इस तालाब में सोफा सेंट डिजाइन एवं गद्दा लगाकर नाव को तैयार कर तालाब में उतारा गया था। जिस पर लाखों रुपये खर्च किए गए थे, इसके बाद इसे आगे चलाने के लिए एक समूह को दे दिया गया था, नौका में सवारी करने का आनंद लेने वाले लोगों को 20 से 50 रुपये शुल्क भी लिया जाता था। महज कुछ माह वी भी बंद हो गया। एक साल पहले यहां के पानी के खाली करवाकर सफाई कराई गई थी, अभी भी सफाई के नाम पर पानी को मोटर पम्प के जरिये खाली करवाया जा रहा है। यह कहना गलत नहीं होगा कि 2016 के बाद से इसे संवारने के नाम लाखों रुपये का भ्रष्टाचार किया गया है, जो आज पर्यंत तक ट्रिपल इंजन की सरकार में भी जारी हैं। स्थिति आज भी बदहाल ही नजर आती है, बुजुर्गो के बैठने के लिए बनाया गया सियान सदन कबाड़ रखने के काम आ रहा है, सियान सदन में पैडल नाव को रखा गया है, जो कबाड़ में तब्दील हो गया है, जिसे डीएमएफ मद से खरीदा गया था। पैदल चलने के लिए बनाए गए रास्ते में लगे टाइल्स भी धस चुके है और बाउंड्री वॉल के रंग उड़ चुके तो कही बाउंड्री वॉल टूटी पढ़ी है।

सप्ताह भर में उखड़ रही पेंटिंग

वर्तमान में इस तालाब के सौंदर्यीकरण, पेंटिंग, ड्रेनेज सिस्टम और पानी को खाली करने का कार्य किया जा रहा है। दिलचस्प बात यह है कि इस समय नगरपालिका, प्रदेश और केंद्र में ट्रिपल इंजन की सरकार काबिज है, लेकिन इस तालाब को दोनों ही पक्षों ने सिर्फ और सिर्फ चारागाह बनाया है, क्योंकि वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष के कार्यकाल में भी लाखों रूपये खर्च किए गए है, अभी डीएमएफ फंड से वाटर सप्लाई पाइप लाइन वर्क, ट्यूब वेल, पाथवे डेंवेलपमेंट, प्लांटेशन, फेंसिंग बाउंड्री वॉल, गार्डन लाइटिंग पोल विद केबलिंग कम्प्लीट वर्क, बाउंड्री वॉल व गेट पेंटिंग वर्क के कार्य किये जा रहे है, जिसके लिए लगभग 40 लाख रुपये की स्वीकृति डीएमएफ मद से की गई हैं।

एक नज़र में खर्च

बीते 10 सालों में गंगासागर तालाब में डेढ़ करोड़ रुपये से अधिक खर्च किये जा चुके है। गंगा सागर तालाब पार में आरसीसी नाली निर्माण फेस-1 में 18.81 लाख, तालाब पार में आरसीसी नाली निर्माण फेस-2 में 16.23 लाख, गंगासागर मे विसर्जन कुंड 3.00 लाख, फाउंटेन 1.50 लाख, चौपाटी सेंटर 10.09, पैडल बोट क्रय 4.95 लाख, सियान सदन 4.52 लाख, साफ-सफाई एवं गहरीकरण के लिए लाख 3.50 लाख, टाईल्स लगाने का कार्य में 10.00 लाख, उद्यान बाउण्ड्रीवाल निर्माण बोरखनन कार्य गेट निर्माण कार्य रिटेनिंग व निर्माण कार्य के लिए 15.99 लाख एवं सुविधा की व्यवस्था में 6.50 लाख रुपये खर्च किये गए, 27 लाख रुपये का म्यूजिकल फाउंटेन लगाया गया है। इसके साथ ही अध्यक्ष एवं पार्षद निधि तथा अन्य मदो से भी करीबन 20 लाख रुपये से अधिक खर्च किये गए है। अभी 19.99 लाख एवं 19.88 लाख रुपये से विभिन्न कार्य किये जा रहे है। बहरहाल, कभी बालोद की पहचान और गौरव रहा गंगासागर तालाब आज सवालों के घेरे में है और अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार जनप्रतिनिधि और अधिकारी इस ऐतिहासिक धरोहर को बचाने के लिए ठोस कदम उठाते हैं या फिर करोड़ों खर्च के बाद भी यह तालाब बदहाली की कहानी ही बयान करता रहेगा

कोसरिया यादव समाज रानीतराई सर्किल ने बेलौदी में मनाया गीता जयंती

गीता जीवन का सार : भूपेश बघेल

पाटन। मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने समाज गंगा को प्रणाम करते हुए जय यादव जय माधव का जय घोष किए।उन्होंने समाज को एकजुटता दिखलाते हुए सामाजिक रीति रिवाज के साथ युवा पीढ़ी संकल्पित रहे। गलत कार्यो एवं नीतियों का खुलकर विरोध करे।हमेशा समाज हित में कार्य करते हुए आगे बढ़े। वर्तमान सरकार समाज को विघटन करने की दिशा में काम कर रही है, जिसे सामाजिक बंधु को समझने की जरूरत है। हमने आपके समाज हित में गौठान निर्माण,गोबर खरीदी,महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के साथ सामाजिक भवन सहित सभी अधोसंरचना के लिए राशि स्वीकृति प्रदान की थी।आज केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ को झुनझुना दिखला दिया। अध्यक्षता लच्छी राम यादव अध्यक्ष,कोसरिया यादव समाज सर्किल रानीतराई ने सभी अतिथियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए सामाजिक संगठन को सुदृढ़ बनाने के संदेश दिए। मंच में विक्रम यादव संरक्षक, कोसरिया यादव समाज सर्किल रानीतराई, विशिष्ट अतिथि अशोक साहू पूर्व उपाध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग, नोमिन हितेश ठाकुर सदस्य, जिला पंचायत दुर्ग, राजेश ठाकुर अध्यक्ष, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी जामगांव आर, शंकर बघेल पूर्व सदस्य खाद्य बीज निगम दुर्ग, देवकुमार निषाद पूर्व सदस्य, मछुवारा कल्याण बोर्ड, कौशल चन्द्राकर उपाध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी, दीपमाला विजय साहू सदस्य, जनपद पंचायत पाटन, हुकुमचंद निषाद, सरपंच, भूपेन्द्र (छोटू) बघेल मंडल अध्यक्ष, रामाधार वर्मा समाज सेवी,विनोद वर्मा, भेदप्रकाश वर्मा मंचासिन रहे। सुबह सामाजिक पदाधिकारियों एवं बंधु ने कलश यात्रा, प्रतिभा सम्मान, युवक युवती परिचय, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामाजिक परिचर्चा किया गया। एक जोड़े का आदर्श विवाह का संपन्न हुआ। इस अवसर पर गोविंद यादव,विक्रम यादव, देवीचरण यादव, रामचंद,बरातू,शंकर यादव,अर्चना यादव,बोधन यादव, खुमेश्वरी यादव, सुधा राधे यादव नीलम यादव, गोकुल यादव, जीवन यादव, संजय यादव,भागवत यादव, निलेश, संतोष, दिलीप, रमेश सहित कोसरिया यादव सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

दिन से ज्यादा रात में हो रही है मुरूम और मिट्टी की चोरी, नही पहुंच रहा है जिम्मेदारों का हाथ

अम्लेश्वर। पाटन विधान सभा क्षेत्र के उत्तर पाटन के आसपास के ग्रामो में मुरुम माफियायों के द्वारा शासकीय एवं निजी जमीन पर अवैध रूप से मुरूम उत्खनन कार्य कर रहे है। भोले भाले किसानो की खेत को खोदकर मुरुम उत्खनन कर अवैध व्यवसाय कर रहे है। क्षेत्र के शासकीय भूमि पर भी मुरुम माफिया लोग मुरुम खोदकर निजी उपयोग मे इस्तेमाल कर है।

जिससे मवेशियों की चारा की समस्या उत्पन्न हो रही है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार लगातार मुरूम और मिट्टी चोर अवैध खनन कर अवैध फ्लर्टिंग में सप्लाई कर रहे है। सबसे ज्यादा मुरूम और मिट्टी के चोर अमलेश्वर में छुपे हुए हैं। जिस पर कार्यवाही करने से खनिज विभाग अपना हाथ खींच रही है। यह मुरूम और मिट्टी माफिया की पहुंच पकड़ इतनी है की यह लोग बेधड़क दिन में तो खुदाई करते हैं रात में और ज्यादा जेसीबी और हाईवे लगाकर खुदाई करते हैं जिससे शासन को लाखों रुपए की खनिज राजस्व का नुकसान हो रही है। अमेरी, करगा, गभरा के खेतो से निकल रही है बड़ी मात्रा में मुरूम।

पीली मिट्टी की परत को उखाड़ कर मुरूम खनन किया जा रहा है। बड़ी बात यह है कि ये लोग मेन रोड को छोड़कर नहर नाली के किनारे बने सी सी रोड में हाईवा और जेसीबी को दौड़ाते हैं जिससे रोड खराब होने की भी आशंका आसपास के सरपंचों के द्वारा जताई जा रही है।जिस पर जिम्मेदार अधिकारी की हाथ नहीं पहुंच पा रही है। जिस पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधी भी तत्काल अवैध मुरुम, मिट्टी उत्खनन कार्य पर रोक लगाकर मुरुम माफियो पर कड़ी कार्यवाही करने हेतु अनुविभागीय अधिकारी पाटन राजस्व को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्यवाही करने की मांग भी पूर्व में किया गया है। उक्त विषय में मंडल अध्यक्ष अम्लेश्वर कमलेश चंद्राकर ने भी प्रजा नाराजगी जाहिर की है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर तेज़ी से अमलः दुर्ग नगर निगम ने बनाए 60 डॉग फीडिंग सेंटर

दुर्ग। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग नगर निगम ने शहर में कुल 60 डॉग फीडिंग सेंटरों का निर्माण पूरा कर लिया है।निगम अधिकारियों के अनुसार ये सभी केंद्र निर्धारित समय-सीमा से पहले ही तैयार कर लिए गए, जिससे सड़क पर रहने वाले कुत्तों को नियमित भोजन और स्वच्छ पानी उपलब्ध कराया जा सके। इन सेंटरों में खाने और पानी के लिए अलग-अलग व्यवस्थाएँ की गई हैं, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। कई स्थानों पर लोग भी आगे आकर इन केंद्रों पर स्वच्छ भोजन डाल रहे हैं और निगम की पहल को सहयोग दे रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पशुओं की सुरक्षा और नियंत्रण के लिए दिए गए निर्देशों के अनुरूप नगर निगम ने सेंटर भी सक्रिय कर दिया है। यहाँ कुत्तों की नसबंदी, टीकाकरण और एंटी-रेबीज़ इंजेक्शन की पूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।विशेषज्ञ टीम नियमित रूप से कुत्तों को पकड़कर सेंटर में लाती है, जहाँ मेडिकल प्रक्रिया के बाद उन्हें उनके मूल क्षेत्र में वापस छोड़ा जाता है। नगर निगम आयुक्त अग्रवाल का कहना है कि शहर में कुत्तों की बढ़ती संख्या को मानवीय तरीके से नियंत्रित करना आवश्यक है, ताकि नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ पशुओं के प्रति संवेदनशीलता भी बनी रहे। इसी उद्देश्य से सुप्रीम कोर्ट के सभी निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने यह भी बताया कि आने वाले समय में डॉग फीडिंग सेंटरों की मॉनिटरिंग को और मजबूत किया जाएगा तथा लोगों को भी निर्देश दिए जा रहे हैं कि वे निर्धारित स्थानों पर ही भोजन डालें, जिससे शहर में स्वच्छता बनी रहे।

प्रतियोगिता पंजीयन शुरू,राजेन्द्र पार्क पहुंचकर करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

फ्लावर शो प्रतियोगिताओं के लिए खुला पंजीयन

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में दुर्ग द्वारा आगामी फ्लावर शो (पुष्प प्रदर्शनी) के भव्य आयोजन को लेकर डाटा सेंटर में आयुक्त सुमित अग्रवाल की अध्यक्षता में तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक में पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, कार्यपालन अभियंता एवं उद्यान प्रभारी अनिल सिंह उपस्थित रहे। बैठक में आयोजन को इस वर्ष और अधिक भव्य व आकर्षक बनाने पर विस्तृत चर्चा की गई। निर्णय लिया गया कि यह मेगा फ्लावर शो दुर्ग के जीई रोड स्थित राजेन्द्र पार्क में आयोजित किया जाएगा। यहां विभिन्न प्रजातियों के रंग-बिरंगे फूलों की भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन को पिछले वर्षो की तुलना में अधिक वृहद स्वरूप दिया जाएगा, जिसमें फूलों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं के आकर्षक मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएंगे। फ्लावर शो के दौरान केवल पुष्प प्रदर्शनी ही नहीं, बल्कि विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे आयोजन और अधिक रोचक एवं जनसहभागिता से परिपूर्ण होगा। यह आयोजन शहरवासियों के लिए प्रकृति, कला और संस्कृति का अनूठा संगम बनेगा। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर पर्यावरण एवं उद्यानिकी विभाग प्रभारी काशीराम कोसरे के नेतृत्व में आयोजन किया जाएगा। पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे ने बताया कि प्रतियोगिताओं में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी राजेन्द्र पार्क परिसर में पहुँचकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस फ्लावर शो का मुख्य उद्देश्य लोगों को प्रकृति से जोड़ना, पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शहर के सौंदर्य को निखारना है।

25 वर्षों का उजाला : अहिवारा में रजत महोत्सव की धूम

दुर्ग। अहिवारा संभाग एवं वितरण केंद्र अहिवारा के संयुक्त तत्वाधान में वार्ड क्रमांक 12 स्थित मंगल भवन में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 2026 का भव्य और सफल आयोजन किया गया। राज्य स्थापना के 25 गौरवशाली वर्षो को समर्पित इस उत्सव में न केवल विकास की गाथा दोहराई गई, बल्कि बिजली विभाग की रीढ़ कहे जाने वाले उपभोक्ताओं और कर्मठ कर्मचारियों का सम्मान कर रिश्तों की नई मिसाल पेश की गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष, जनपद पंचायत धमधा लीमन साहू और अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद अहिवारा विद्यानंद कुशवाहा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक प्रतिनिधि अहिवारा सतीश साहू, अध्यक्ष, सरपंच संघ दामिनी साहू, पार्षद द्वय अनुज साहू एवं पुरुषोत्तम वर्मा एवं अध्यक्ष, सहकारी समिति अहिवारा पवन जैन ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम की शुरुआत में नगर पालिका परिषद के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और उपभोक्ताओं का पुष्पगुच्छ से गर्मजोशी भरा स्वागत किया गया।

मेन फॉर ट्री के महिला स्व सहायता समूहों को मानदेय भुगतान किया गया

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत 12500 पौधा रोपण कर संधारण एवं रखरखाव करने वाली 125 महिलाओं को तीन माह का मानदेय जारी किया गया है। वूमेन फॉर ट्री योजना अंतर्गत कार्यरत 40 महिला स्व सहायता समूहों को माह अगस्त 2025, सितम्बर 2025 एवं अक्टूबर 2025 का मानदेय राशि रू. 27,23,802.00 का भुगतान एस.एन.ए. स्पर्श के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य शहरी विकास अभिकरण, नवा रायपुर को दिनांक 03.12.2025 को प्रेषित किया गया था। उक्त राशि निगम के खाते में 02.02.2026 को प्राप्त होने के उपरांत तत्काल निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा सभी 40 महिला स्व सहायता समूहों को मानदेय भुगतान किया गया है। शेष 2 माह नवम्बर एवं दिसम्बर 2025 का मानदेय भुगतान हेतु शासन को लगभग 1 माह पूर्व देयक प्रेषित किया गया है। राशि प्राप्त होने पश्चात शेष 2 माह का मानदेय भी भुगतान किया जायेगा।

जोन आयुक्त ने किया निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-2 वैशाली नगर अंतर्गत निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क सहित उद्यान का निरीक्षण जोन आयुक्त येशा लहरे द्वारा किया गया। स्थानीय नागरिको से मिलकर उनकी समस्या से अवगत हुए। जोन आयुक्त ने वैशाली नगर स्थित सिंधु भवन मार्ग में निर्माणाधीन डामरीकरण सड़क का निरीक्षण किये। स्थानीय नागरिको का मांग था कि सुगम यातायात हेतु सड़क बनाया जाये। जिसे देखते हुए नवीन सड़क निर्माण किया जा रहा है, इस सड़क के निर्माण से नागरिको को आवागमन में सुविधा होगी। समीपस्थ प्राइवेट समिति द्वारा सुन्दर नगर पार्क बनाया गया है, जिसका अवलोकन किया गया। पार्क अच्छा बनाया गया है, जिसे समय-समय पर समिति द्वारा व्यवस्थित किया जाता है। स्थानीय नागरिको से मुलाकात कर वहां की समस्या से अवगत हुए। उपस्थित नागरिको द्वारा उद्यान एवं सड़को पर प्रकाश व्यवस्था की मांग किया गया है, जिसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया गया है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता अर्पित बंजारे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी शंकर साहनी, स्वच्छता निरीक्षक अंजनी सिंह उपस्थित रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र कोदवामहंत में निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

शिविर में 17 मानसिक रोगियों सहित 25 मरीजों का हुआ ईलाज

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा के मार्गदर्शन में विकासखंड लोरमी के उप स्वास्थ्य केंद्र कोदवामहंत में निःशुल्क मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला नोडल अधिकारी व प्रभारी मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम मनोचिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय ओबेरॉय, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट नीरज शुक्ला एवं सोशल वर्कर विश्वनाथ चंद्राकर द्वारा मानसिक रोगियों को उचित परामर्श प्रदान करते हुए आवश्यक दवाइयां वितरित की गई। शिविर में 17 मानसिक रोगियों सहित 25 मरीजों का ईलाज किया गया। साथ ही सीएचओ के सहयोग से ग्राम के चार घरों में जाकर मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों का उपचार किया गया।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन का नैतिक समर्थन, काली पट्टी लगाकर करेंगे काम

कोरबा। केंद्र सरकार द्वारा लाये गए नए कानून लेबर कोड, पावर कम्पनियों के निजीकरण, ओपीएस की जगह यूपीएस लागू करने तथा संविदाकर्मियों को 10 साल की सेवा के बाद भी नियमित नहीं करने के विरोध में आगामी 12 फरवरी 2026 को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को अखिल भारतीय विद्युत कामगार महासंघ से सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त एकमात्र ट्रेड यूनियन संगठन छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन ने नैतिक समर्थन देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में जनता यूनियन के प्रांताध्यक्ष अनिल द्विवेदी ने बताया वे छत्तीसगढ़ में कार्यरत बिजलीकर्मियों से 12 फरवरी के इस अखिल भारतीय हड़ताल को बाहर से समर्थन देने तथा कर्मचारी हित, हक और सम्मान के लिए आवाज बुलंद करने का आह्वान करते हैं। उन्होंने विद्युत कम्पनी में कार्यरत कर्मचारियों से आह्वान करते हुए कहा है कि 12 फरवरी को कर्मचारी ड्यूटी पर आने के बाद काम शुरू करने से पहले अपने अपने कार्यालय के समक्ष केंद्र सरकार की दमनकारी श्रम नीति तथा अन्य प्रस्तावित मांगों की वादाखिलाफी के विरोध में नारेबाजी करें तथा सम्पूर्ण दिवस काली पट्टी बांधकर काम करें। जनता यूनियन के प्रांताध्यक्ष अनिल द्विवेदी और प्रांतीय महासचिव अजय बाबर ने संयुक्त रूप से बताया कि जनता यूनियन इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल 2025 एवं नेशनल इलेक्ट्रिसिटी पालिसी 2026 को वापस लेने, न्यूक्लियर पावर सेक्टर में निजी घराने के बडे पैमाने पर प्रवेश हेतु बनाये गए "शांति एक्ट" को वापस लेने के साथ ही उत्पादन के क्षेत्र में जॉइंट वेंचर समाप्त करने के साथ ही ट्रांसमिशन सेक्टर में टैरिफबेस्ड काम्पटेटिव बिडिंग के नाम पर हो रहे।

नो पार्किंग में खड़े कई गाडियों पर लगाया लॉक

ट्रैफिक पुलिस ने अपनाया सख्त रुख

कोरबा। जिले में 37वें सडक़ सुरक्षा जागरूकता माह के दौरान लगातार चलाए गए अभियान से यातायात व्यवस्था में काफी सुधार देखने को मिला है। बावजूद इसके कुछ वाहन चालक अब भी ट्रैफिक नियमों की अनदेखी करते नजर आ रहे हैं। ऐसे मामलों में ट्रैफिक पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कई भारी वाहनों को लॉक कर चालकों पर पेनल्टी लगाई। यह कार्रवाई शहर के प्रमुख और व्यस्त इलाके सर्वमंगला चौक, हसदेव कैनाल जोड़ा पुल, राताखार तथा दारी रूमगरा क्षेत्र के ध्यानचंद चौक के आसपास की गई। इन स्थानों पर भारी वाहनों को नो पार्किंग जोन में मनमाने तरीके से खड़ा कर दिया गया था, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही थी और आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। सूचना मिलने पर ट्रैफिक्र पुलिस की पेट्रोलिंग टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने काफी मशक्कत करते हुए सडक़ किनारे खड़े वाहनों को हटवाया और यातायात को सुचारू कराया। नियम तोडऩे वाले वाहन चालकों के खिलाफ लॉक लगाने की कार्रवाई करते हुए जुर्माना भी वसूला गया। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतिश ठाकुर, डीएसपी ट्रैफिक डीके सिंह के मार्गदर्शन तथा निरीक्षक तेज यादव के नेतृत्व में की गई।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com